



INS ACCREDITED

यूनिक्कॉम
एडवर्टाइजिंग

Email: info@unicomadvertising.com
www.unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक्क समय

डीएवीपी (केन्द्र सरकार) द्वारा मान्यता प्राप्त-134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

Sweetly

BY

MR
GROUP

Presents

Unique Samay Update

www.uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-236 | सांध्य दैनिक | मथुरा/आगरा संभाग, मंगलवार, 20 अक्टूबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपये | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

मातृभूमि योजना से जुड़कर पूर्वजों का नाम करें अमर

पूर्वजों के नाम पर लगेंगी शिलापट्टिकाएं, दानदाता देंगे 60 प्रतिशत राशि

प्रवासी भारतीयों और दानदाताओं को पैतृक गांवों से जोड़ने की पहल



रहने वाले लोग अपने पैतृक गांवों में सार्वजनिक उपयोग के विकास कार्य करा सकेंगे। योजना का उद्देश्य प्रवासी भारतीयों और अन्य दानदाताओं को अपनी मातृभूमि से जोड़ते हुए गांवों में विकास को बढ़ावा देना है। योजना के तहत विकास परियोजना की कुल लागत का 60 प्रतिशत हिस्सा

योजना के तहत कराए जा सकने वाले विकास कार्य

ग्राम पंचायत या क्षेत्र पंचायत में बरात घर और सामुदायिक भवन का निर्माण। स्कूल-कॉलेज में स्मार्ट क्लास और अन्य सुविधाओं की स्थापना। ग्राम पंचायतों में सीसी रोड और आरसीसी ड्रेन का निर्माण। ओपन जिम, व्यायामशाला और स्किल सेंटर की स्थापना। प्राथमिक व उप स्वास्थ्य केंद्रों के भवन का निर्माण। विद्यार्थियों के लिए छात्रावास और चौराहों पर सीसीटीवी की व्यवस्था। पुस्तकालय नाम पर शिलापट्ट लगाया जाएगा। इससे लोग अपने गांव के विकास में योगदान देने के साथ पूर्वजों की स्मृति को भी संजो सकेंगे।

दानदाता को वहन करना होगा, जबकि शेष 40 प्रतिशत राशि राज्य सरकार उपलब्ध कराएगी।

परियोजना पूरी होने के बाद दानदाता या उनके पूर्वजों के नाम पर शिलापट्ट लगाया जाएगा।

इससे लोग अपने गांव के विकास में योगदान देने के साथ पूर्वजों की स्मृति को भी संजो सकेंगे।

गांवों में सार्वजनिक सुविधाओं का होगा विकास

मातृभूमि योजना का उद्देश्य गांवों में सार्वजनिक सुविधाओं का विकास करना और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है। इच्छुक दानदाता पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। विदेश में रहने वाले लोग भी इस पोर्टल पर आवेदन कर अपने गांव में विकास कार्य का प्रस्ताव दे सकते हैं। इस योजना से प्रवासी और अन्य दानदाताओं को अपने गांव से जुड़ने का अवसर मिलेगा। पात्र दानदाताओं को आयकर अधिनियम के तहत कर छूट का लाभ भी प्रदान किया जाएगा।

— डा. पूजा गुप्ता, सीडीओ।

यूनिक्क समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश सरकार की मातृभूमि योजना के तहत अब देश-विदेश में

कोसीकलां रेलवे स्टेशन पर बड़ा हादसा

ओएचई से टकराया फुटओवर ब्रिज का पिलर, तीन कर्मचारी घायल

करंट लगने से निजी कंपनी के दो कर्मचारी गंभीर झुलसे

भागते समय तीसरा कर्मचारी गिरकर हुआ घायल

प्लेटफार्म 4/5 पर चल रहा है एफओबी की मरम्मत का काम



बंद नहीं कराई थी ओएचई

ब्रिज निर्माण के दौरान निजी कंपनी के ठेकेदार और रेलवे कर्मचारियों की बड़ी लापरवाही रही। पिलर को उठाते समय ठेकेदार ने ओएचई को बंद नहीं कराया था। नतीजा ओएचई के करंट से दो कर्मचारी गंभीर झुलस गए, जबकि तीसरा कर्मचारी भागते समय गिरकर चुटैल हो गया। रेलवे कर्मचारी घटना को दबाने प्रयास करते रहे। यही वजह रही की करंट से झुलसे कर्मचारियों को गुप्तचुप तरीके से निजी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया।

कर्मचारी गिरकर घायल हो गया। घटना के बाद स्टेशन परिसर में अफरा-तफरी मच गई। दो घायलों को कोसीकलां के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है।

जानकारी के अनुसार, कोसीकलां रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या 4/5 पर बने एफओबी की मरम्मत का काम चल रहा है। निर्माण कार्य आगरा की निजी कंपनी द्वारा कराया जा रहा है। ब्रिज पर सोमवार

“ काम के दौरान पिलर के ओएचई टकराना सामान्य घटना है। इसमें तीन कर्मचारी मामूली रूप से चौटिल हुए हैं।

— संजय कुमार गौतम
जनसम्पर्क अधिकारी मंडल
रेल प्रबंधक आगरा।

की सुबह पिलर डाला जा रहा था, जिसे निजी कंपनी के कर्मचारी चैन कुप्पी की मदद से उठा रहे थे। इसी दौरान पिलर ओएचई से टकरा गया, ओएचई का करंट चैन कुप्पी में उतर गया, जिससे चैन कुप्पी चला रहे ठेकेदार के कर्मचारी 24 वर्षीय मौहम्मद सैफ पुत्र तौफीक निवासी ग्राम शिवपुरा थाना पश्चिमी फतहरपुर, 25 वर्षीय औवेस खान पुत्र शमसुल समद निवासी टांडा थाना सिरौली रामपुर करंट लगने से झुलस गए वहीं तीसरा कर्मचारी 30 अफसर पुत्र अकबर निवासी ए कोठा थाना बहेड़ी बरेली भागते समय गिरकर चुटैल हो गया। घायल मौहम्मद सैफ और औवेस का कोसीकलां के निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

वृंदावन में भगवान जगन्नाथ को भा रहा यमुना तट का सान्निध्य



यूनिक्क समय, वृंदावन। विश्व भ्रमण पर निकले भगवान जगन्नाथ अपनी बहन सुभद्रा, भ्राता बलभद्र और चक्रराज सुदर्शन के साथ नेपाल और श्रीलंका की यात्रा के बाद वृंदावन पहुंचे

हैं। कुंभ क्षेत्र स्थित विरजा मंडप में उनका प्रवास पांच से बढ़ाकर सात दिन कर दिया गया है। यमुना तट की हरियाली, भजन-कीर्तन और 24 दिव्य झांकियां श्रद्धालुओं के आकर्षण का

24 दिव्य झांकियों के दर्शन को उमड़ रहे श्रद्धालु, प्रवास सात दिन का हुआ

केंद्र बनी हुई हैं। करीब 500 भक्तों का दल भगवान के भव्य डोले के साथ धर्मयात्रा में शामिल है। यात्रा का उद्देश्य भक्ति के प्रचार-प्रसार के साथ विश्व में शांति, सद्भाव और मैत्री का संदेश देना है।

संत सत्यानंद ने बताया कि विरजा मंडप में स्कंद पुराण में वर्णित भगवान जगन्नाथ की महिमा कथा के माध्यम से सुनाई जा रही है। संत सत्यानंद, दीनबंधु, परमानंद और बाबा दयानिधि

दास श्रद्धालुओं को भगवान की लीलाओं से परिचित करा रहे हैं। सुबह छह से साढ़े आठ और शाम छह से रात नौ बजे तक दर्शन- कथा का क्रम चल रहा है।

दीनबंधु दास के अनुसार, राजराजेश्वर, गजानन, राधा-दामोदर, त्रिविक्रम, लक्ष्मी-नारायण, नृसिंह, वनभोजी, कालियादलन, कृष्ण-बलराम, रघुनाथ और पद्म वेश सहित विभिन्न स्वरूपों के दर्शन भक्तों को आकर्षित कर रहे हैं। आयोजन में पुरी की पारंपरिक पूजा-पद्धति का पालन किया जा रहा है। दिल्ली, बेंगलुरु सहित विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु पहुंचकर दर्शन, कथा और संकीर्तन का लाभ ले रहे हैं।

आज लें संकल्प, जीवन से दूर करें 10 बुराइयां

जल बर्बादी, नशाखोरी और अफवाहों जैसी बुराइयों का करें खात्मा

स्वयं में बदलाव लाने से समाज को दे सकते हैं बदलाव की दिशा



यूनिक्क समय, मथुरा। दशहरा बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। रावण दहन के साथ क्यों न इस बार समाज में फैली बुराइयों को मिटाने का भी संकल्प लें। भ्रष्टाचार, गंदगी, जातिगत भेदभाव, जल

बर्बादी, नशाखोरी और अफवाहों जैसी दस सार्वजनिक बुराइयों का अंत करने की शुरुआत खुद से करें। व्यक्तिगत प्रयासों को सामूहिक मुहिम बनाकर ही समाज में बदलाव लाया जा सकता है। आइए, आज ही इन बुराइयों से दूरी बनाने और दूसरों को प्रेरित करने का संकल्प लें।

आओ करें दशहरा पर दस सार्वजनिक बुराइयों का अंत

- **भ्रष्टाचार का अंत:** दशहरा पर संकल्प लें कि न रिश्वत देंगे, न लेंगे।
- **ईमानदारी को सार्वजनिक जीवन की पहचान बनाएं।**
- **गंदगी से मुक्ति:** सड़कों, बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर कूड़ा नहीं फेंकेंगे। स्वच्छता को अपनी जिम्मेदारी मानकर शहर साफ रखेंगे।
- **यातायात नियमों का पालन:** सड़क पर नियम तोड़ने की आदत छोड़ेंगे। हेलमेट पहनेंगे, सीट बेल्ट लगाएंगे और दूसरों की सुरक्षा का ध्यान रखेंगे।
- **महिलाओं के प्रति दुर्व्यवहार:** महिलाओं का सम्मान करेंगे। छेड़छाड़, अभद्र टिप्पणी और भेदभाव का विरोध कर सुरक्षित समाज बनाने में योगदान देंगे।
- **जातिगत भेदभाव का अंत:** जाति और धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं करेंगे। समानता, भाईचारे और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देंगे।

- **जल बर्बादी पर रोक:** पानी की हर बूंद की कीमत समझेंगे। सार्वजनिक नलों को खुला नहीं छोड़ेंगे और जल संरक्षण का संकल्प लेंगे।
- **रिश्वतखोरी और सिफारिशवाद:** सरकारी सेवाओं में अनुचित सिफारिश और लेनदेन से दूर रहेंगे। योग्य व्यक्ति को उसका अधिकार दिलाने का प्रयास करेंगे।
- **सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा:** सरकारी भवनों, बसों, पार्कों और ऐतिहासिक स्थलों को नुकसान नहीं पहुंचाएंगे। सार्वजनिक संपत्ति को अपनी धरोहर समझकर बचाएंगे।
- **अफवाह और नफरत से दूरी:** बिना पुष्टि संदेश साझा नहीं करेंगे। इंटरनेट मीडिया पर अफवाह, अपमानजनक टिप्पणी और नफरत फैलाने से बचेंगे।
- **नशाखोरी का विरोध:** तंबाकू, शराब और अन्य नशों से दूर रहने का संकल्प लें। युवाओं को नशामुक्त जीवन के लिए प्रेरित करेंगे।

मथुरा-कासगंज रेल रूट पर ट्रेनों की कमी यात्रियों को करना पड़ता है घंटों इंतजार

दोपहर 11 बजे के बाद शाम 6 बजे चलती है पैसेंजर ट्रेन

आठ घंटे स्टेशन पर खड़ी रहती है कासगंज से आने वाली पैसेंजर

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा-कासगंज रेल रूट पर ट्रेनों की कमी के चलते यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस रूट पर सुबह 11 बजे से शाम छह बजे तक यात्रियों को ट्रेन का इंतजार करना पड़ता है। कासगंज से मथुरा आने वाली पैसेंजर ट्रेन दोपहर करीब 2:20 बजे स्टेशन पहुंचने के बाद रात 8:50 बजे तक जंक्शन पर खड़ी रहती है। ऐसे में इस ट्रेन को कुछ समय के अंतराल के बाद वापस



कासगंज के लिए रवाना कर दिया जाए, तो यात्रियों को काफी राहत मिल सकती है।

मथुरा और कासगंज के बीच प्रतिदिन बड़ी संख्या में छात्र, व्यापारी, नौकरीपेशा लोग और श्रद्धालु, दैनिक यात्री आवागमन करते हैं। इनमें कई ऐसे यात्री हैं, जिन्हें अपने कामकाज, नौकरी, पढ़ाई और अन्य जरूरी कार्यों के लिए नियमित रूप से इस रेल मार्ग पर सफर करना पड़ता है। इसके बावजूद ट्रेनों के बीच लंबा अंतराल होने के कारण यात्रियों को अपनी यात्रा

अतिरिक्त ट्रेन से रेलवे की आय बढ़ने की भी उम्मीद

मथुरा-कासगंज रेल रूट पर अतिरिक्त ट्रेन का संचालन यात्रियों के साथ रेलवे के लिए भी फायदेमंद साबित हो सकता है। दिन के समय ट्रेन उपलब्ध होने से अधिक यात्री रेल सेवा का उपयोग कर सकेंगे। इससे यात्रियों को बस या अन्य साधनों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा और रेलवे की यात्री आय में भी वृद्धि होने की संभावना रहेगी।

“कासगंज रूट पर दिन के समय ट्रेन की उपलब्धता कम है। दोपहर को कासगंज से आने वाली पैसेंजर ट्रेन को रात 8:50 बजे तक जंक्शन पर खड़ा करा दिया जाता है। इस पैसेंजर ट्रेन को कुछ अंतराल के बाद फिर से कासगंज के लिए चलाए जाने का प्रस्ताव पूर्वोत्तर रेलवे के अधिकारियों को भेजा जाएगा।

—सुनील कुमार शर्मा, स्टेशन निदेशक।

की योजना बनाने में परेशानी होती है। खासकर दिन के समय ट्रेन उपलब्ध नहीं होने से यात्रियों को काफी देर तक स्टेशन पर इंतजार करना पड़ता है।

कासगंज रेल रूट पर दोपहर के समय अतिरिक्त ट्रेन चलाए जाने की

मांग दैनिक यात्री, छात्र और नौकरीपेशा लोग करते आ रहे हैं। इस रूट पर दोपहर के समय अतिरिक्त ट्रेन चलाए जाने से राया, सोनई, मुरसान, हाथरस, सिकंदरगढ़ आदि जाने वाले यात्रियों को इसका सीधा फायदा पहुंचेगा।

राम ने किया रावण का वध, धूं-धूं कर जले पुतले



मंगलवार देर शाम महाविद्या स्थित रामलीला मैदान में आयोजित मंचन के दौरान युद्ध करते राम और रावण के स्वरूप। धूं-धूं कर जलते रावण-अहिरावण के पुतले।

यूनिक समय, मथुरा। श्री रामलीला सभा तत्वावधान में रामलीला मैदान महाविद्या में रावण-अहिरावण वध की लीला का मंचन हुआ। भगवान श्रीराम के अग्निबाण चलाते ही रावण और अहिरावण के पुतले धूं-धूं कर जल उठे। मैदान में मौजूद श्रद्धालुओं ने जय श्रीराम के जयघोष किए। भव्य आतिशबाजी से वातावरण गुंज उठा।

लीला में रावण के आह्वान पर अहिरावण पाताल लोक से लंका पहुंचता है। वह विभीषण का वेश धारण कर राम और लक्ष्मण को मोहिनी मंत्र से निद्रित कर पाताल लोक ले जाता है। हनुमान जी गिद्धनी के संवाद से इसका पता लगाते हैं। पाताल में अपने पुत्र मकरध्वज से मिलने के बाद अहिरावण

अहिरावण वध के बाद राम-रावण युद्ध का हुआ मंचन

जयघोषों और आतिशबाजी से गुंजा रामलीला मैदान

का वध करते हैं और मकरध्वज को पाताल का राजा बनाकर राम-लक्ष्मण को वापस ले आते हैं।

इसके बाद राम-रावण के बीच भीषण युद्ध होता है। रावण की मायावी शक्तियों को निष्प्रभावी कर श्रीराम

उसकी नाभि में स्थित अमृत कुंड पर अग्निबाण चलाते हैं। राम-राम कहते हुए रावण धरती पर गिर पड़ता है। श्रीराम लक्ष्मण को रावण से राजनीति की शिक्षा लेने भेजते हैं। सीता जी की अग्निपरीक्षा के बाद श्रीराम उन्हें अपने वामांग में स्थान देते हैं।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री चौ. लक्ष्मीनारायण, गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी, रविकांत गर्ग, जयंती प्रसाद अग्रवाल, जुगलकिशोर अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, मूलचन्द गर्ग, प्रदीप सर्राफ पीके, विजय किरोड़ी, शैलेश अग्रवाल सर्राफ, अजय मास्टर, पं. शशांक पाठक, अजय कांत गर्ग, गौरव टेंट वाले, विनोद अग्रवाल, नरेन्द्र मुकुट वाले, दिनेश गोयल, अनुराग मित्तल,

विनोद सर्राफ, नागेन्द्र मोहन मित्तल, उमेश प्रेसवाले, प्रदीप गोस्वामी, पं. अमित भारद्वाज, सर्वेश शर्मा, संजय बिजली, अनूप टेंट, गौरव टेंट, शैलेन्द्र हकीम, गोपाला चतुर्वेदी, चिंताहरण चतुर्वेदी, मदनमोहन श्रीवास्तव सहित जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। व्यवस्था में जुलूस मंत्री विनोद सर्राफ, हिमांशु सूतिया, कन्हैया टाइप, विष्णु शर्मा और आनंद शर्मा, रमेश किस्सू ने सहयोग किया। साज-सज्जा और श्रृंगार में उमेश बिजली और नितिन शर्मा का योगदान रहा। प्रसाद सेवा विजय कुमार, अजय कुमार और दीपक कुमार सर्राफ ने की। 21 अक्टूबर को शाम छह बजे चौक बाजार में भरत-मिलाप की लीला होगी।



Aakash CIMS
Super Speciality Hospitals
मथुरा बूज में पहली बार
India's Most Advanced
CRRT
(निरन्तर किडनी रिप्लेसमेंट थेरेपी)
(Continuous Renal Replacement Therapy)
किडनी मरीजों का विश्वस्तरीय इलाज, आकाश सिम्स हॉस्पिटल में

CRRT के लाभ
BENEFITS OF CRRT
CRRT उन गंभीर मरीजों के लिए सबसे उपयुक्त है जिनकी किडनी ने काम करना बंद कर दिया हो या जिनके शरीर से विषैले पदार्थ, अतिरिक्त पानी और विषैले तत्वों को हटाने के लिए निरन्तर उपचार की आवश्यकता होती है।
यह किस-किस स्थिति में मदद करता है?

डायरेक्टर एवं वरिष्ठ सलाहकार,
नेफ्रोलॉजी एवं इन्फेक्शियस विभाग
डॉ. आशीष शर्मा
MBBS, DNB, Fellow Nephrology, IIRAV Italy
वरिष्ठ किडनी रोग विशेषज्ञ

Call Connect +91-9258113570, 9258113571
टीपीए, हेल्थ इंश्योरेंस एवं बीमा कम्पनियाँ द्वारा कैंडिडेट्स इलाज उपलब्ध
आकाश सिम्स हॉस्पिटल, निकट राधावेली, एन.एच. 19, मथुरा

फल मंडी में बदले दाम, अनार और मौसमी के भाव में उछाल

मथुरा फल मंडी के भाव और फुटकर रेट		
फल का नाम	मंडी रेट	फुटकर रेट
पानी वाला नारियल	₹800-900 (20 पीस)	₹60-70 प्रति पीस
चीकू	₹400-500 (10 किलो)	₹60-70 प्रति किलो
सेब	₹50-60 प्रति किलो	₹80-100 प्रति किलो
मौसमी	₹30-35 प्रति किलो	₹50 प्रति किलो
अनार	₹70-80 प्रति किलो	₹100 प्रति किलो
केला	₹28-30 प्रति किलो	₹40 प्रति किलो

यूनिक समय, मथुरा। लोहारों के बीच फल मंडी में फलों के भाव में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। कहीं आवक में कमी से दाम बढ़ रहे हैं, तो कहीं कीमतों में गिरावट से कारोबारियों को राहत मिली है। मंडी में सबसे अधिक उछाल अनार और मौसमी के भाव में आया है। वहीं पानी वाले नारियल और चीकू के दाम पहले के मुकाबले कम हुए हैं। सेब की कीमतों में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। फलों के भाव में आए इस बदलाव का असर फुटकर बाजार पर भी पड़ सकता है।

मथुरा फल मंडी के आदृती सफीक भाई ने बताया कि पानी वाले नारियल के 20 पीस की कीमत पहले करीब 1000 रुपये थी, जो अब घटकर 800 से 900 रुपये रह गई है। इसी तरह चीकू के 10 किलो की कीमत पहले 600 रुपये थी, जो अब 400 से 500 रुपये तक आ गई है। इससे इन फलों की खरीदारी करने वाले कारोबारियों को कुछ राहत मिली है।

दूसरी ओर, सेब के भाव में तेजी आई है। पहले 40 से 50 रुपये किलो

नारियल और चीकू के दाम घटे, सेब हुआ महंगा

बिकने वाला सेब अब 50 से 60 रुपये किलो तक पहुंच गया है। इससे सेब की खरीद पर ग्राहकों को पहले की तुलना में अधिक खर्च करना पड़ रहा है। मौसमी और अनार के भाव में तेजी की प्रमुख वजह बाजार में इनकी शॉर्टेज बताई जा रही है। मौसमी के दाम पहले 25 से 30 रुपये किलो थे, जो अब बढ़कर 30 से 35 रुपये किलो हो गए हैं। वहीं अनार के भाव में भी अच्छी-खासी बढ़ोतरी हुई है। पहले 40 से 50 रुपये किलो बिकने वाला अनार अब 70 से 80 रुपये किलो तक पहुंच गया है।

फल मंडी में कीमतों के इस बदलाव के बीच कारोबारी आवक और मांग पर नजर बनाए हुए हैं। आने वाले दिनों में फलों की उपलब्धता के हिसाब से भाव में और बदलाव देखने को मिल सकता है।

जन्मभूमि पर शरद पूर्णिमा में दमा रोगियों को मिलेगी औषधि

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा-संस्थान की ओर से शरद पूर्णिमा पर श्वास (दमा) रोगियों को आयुर्वेदिक औषधि का निःशुल्क वितरण किया जाएगा। संस्थान के आयुर्वेदिक चिकित्सालय की ओर से प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम 25 अक्टूबर को होगा।

संस्थान के अनुसार, औषधि प्राप्त करने के इच्छुक रोगी 21 से 25 अक्टूबर को शाम छह बजे तक श्रीकृष्ण जन्मभूमि के श्रीकृष्ण द्वार (गेट नंबर-1) के निकट स्थित आयुर्वेदिक चिकित्सालय में अग्रिम पंजीकरण करा

21 से 25 अक्टूबर तक होगा निःशुल्क पंजीकरण

सकते हैं। पंजीकरण के दौरान चिकित्सक से आवश्यक निर्देश प्राप्त करना होगा।

शरद पूर्णिमा की मध्यरात्रि में संस्थान के आयुर्वेद चिकित्सक के निर्देशन में विशेष खीर के साथ औषधि वितरित की जाएगी। संस्थान ने श्वास रोगियों से पंजीकरण कराकर कार्यक्रम का लाभ लेने की अपील की है।



महाविद्या स्थित रामलीला मैदान में मंगलवार देर शाम राम-रावण का युद्ध देखने को उमड़े दर्शक।

गुमशुदगी और रास्ता बताने तक सीमित है पर्यटन थाना



यूनिक समय, वृंदावन। धर्मनगरी में आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुरक्षा, उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से खोला गया पर्यटन थाना अपनी मूल जिम्मेदारी से भटकता नजर आ रहा है। पर्यटकों के साथ होने वाली आपराधिक घटनाओं में मदद और कार्रवाई की उम्मीद लेकर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को यहां से राहत मिलने के बजाय वृंदावन कोतवाली के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। पर्यटन थाने की भूमिका गुमशुदगी दर्ज करने, भटके हुए श्रद्धालुओं को रास्ता बताने और खोए हुए सामान की शिकायत पोर्टल पर दर्ज करने तक सीमित होकर रह गई है। सामान चोरी होने या अन्य आपराधिक

सामान चोरी होने पर पोर्टल पर दर्ज की जाती है शिकायत

एफआईआर के लिए श्रद्धालुओं को भेजा जाता है वृंदावन कोतवाली

घटना का शिकार होने पर पीड़ित को रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए कोतवाली भेज दिया जाता है।

प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिरों के दर्शन और धार्मिक स्थलों के भ्रमण के लिए आते हैं। भीड़भाड़ वाले इलाकों, प्रमुख मंदिरों के आसपास और बाजारों में पर्यटकों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। अनजान शहर में मोबाइल, पर्स, बैग या अन्य कीमती सामान खो जाने अथवा चोरी होने पर श्रद्धालु मदद की उम्मीद में पर्यटन थाने पहुंचते हैं। लेकिन यहां उनकी शिकायत पर तत्काल कानूनी

तलाश कर दिए जा चुके हैं 250 फोन

मंदिरों के दर्शन करने के दौरान कुछ श्रद्धालुओं के मोबाइल फोन अक्सर गुम हो जाते हैं। जिनकी गुमशुदगी पर्यटन थाने के पोर्टल पर दर्ज की जाती है। पर्यटन थाना प्रभारी निरीक्षक प्रशांत कपिल ने बताया कि अब तक 250 श्रद्धालुओं के मोबाइल फोन बरामद कर उन्हें सौंपे जा चुके हैं।

“ शिकायत लेकर थाने पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के सामान की गुमशुदगी पोर्टल पर दर्ज की जाती है। रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए पर्यटकों को वृंदावन कोतवाली भेजा जाता है। मदद के लिए थाने पहुंचने वाले पर्यटकों को दूसरे मंदिरों, होटल और परिवहन से जुड़ी जानकारी उपलब्ध कराई जाती है।

—प्रशांत कपिल, प्रभारी निरीक्षक, पर्यटन थाना।

कार्रवाई करने की बजाय सामान की गुमशुदगी पोर्टल पर दर्ज कर तलाशने का आश्वासन देकर रवाना कर दिया जाता है। कोई श्रद्धालु घटना की प्राथमिकी दर्ज कराने की जिद करता है तो उसे वृंदावन कोतवाली का रास्ता दिखा दिया जाता है।

ऐसे में दूसरे शहरों और प्रदेशों से आए श्रद्धालुओं को एक थाने से दूसरे थाने तक भटकना पड़ता है, वृंदावन

की भौगोलिक स्थिति से परिचित नहीं होने की वजह से थक हार वह चले जाते हैं। पर्यटन थाने की मौजूदा कार्यप्रणाली को लेकर श्रद्धालु सवाल उठाते हैं। पर्यटन थाना श्रद्धालुओं को रास्ता बताने और गुमशुदगी की शिकायत पोर्टल पर दर्ज करने तक ही सीमित रह जाता है, तो पर्यटकों की सुरक्षा और सहायता के लिए स्थापित इस व्यवस्था के उद्देश्य पर सवाल बने रहेंगे।

रेलवे स्टेशनों पर स्वच्छ पेयजल के लिए विशेष अभियान

यूनिक समय, मथुरा। रेलवे यात्रियों और कर्मचारियों को स्वच्छ, सुरक्षित-गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने के लिए आगरा मंडल में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत रेलवे स्टेशनों पर पेयजल बूथ, वाटर कूलर, वाटर वेंडिंग मशीन, आरओ सिस्टम और पानी की टैंकियों का नियमित निरीक्षण, सफाई-कीटाणुशोधन किया जा रहा है।

रेलवे के अनुसार, सितंबर 2026 में कुल 427 पेयजल परीक्षण किए गए। वहीं, एक से 15 अक्टूबर तक 242 परीक्षण हुए। इनमें 214 अवशिष्ट क्लोरीन और 28 बैक्टीरियोलॉजिकल परीक्षण शामिल हैं। इनकी मदद से पेयजल की गुणवत्ता और सुरक्षा

सितंबर में 427 और अक्टूबर में 242 जल गुणवत्ता परीक्षण

सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है। मथुरा सहित मंडल के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर पेयजल सुविधाओं के रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। 20 अगस्त 2026 से संचालित इस अभियान की निगरानी स्वास्थ्य निरीक्षकों (सीएचआई) और सेक्शन इंजीनियर (वर्क्स) द्वारा संयुक्त रूप से की जा रही है। रेलवे का उद्देश्य यात्रियों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के साथ स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों को कम करना है।

अवैध चाकू के साथ युवक गिरफ्तार आर्म्स एक्ट में मुकदमा

यूनिक समय, वृंदावन। थाना वृंदावन पुलिस ने सोमवार रात रेलवे स्टेशन के समीप चेकिंग के दौरान एक युवक को अवैध चाकू के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान आकाश (22) के रूप में हुई है। पुलिस ने चाकू कब्जे में लेकर उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

चोरी की चार बाइक बरामद दो आरोपी गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे पुलिस ने चेकिंग के दौरान दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चार चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से देशी तमचे, कारतूस और चाकू भी बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, चंदा ग्रीन कॉलोनी और सिग्नेचर कॉलोनी के बीच चेकिंग के दौरान दोनों आरोपियों को पकड़ा गया। पूछताछ के बाद उनकी निशानदेही पर चार चोरी की बाइक बरामद की गईं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान साहिल उर्फ रिहान निवासी गांव ओल थाना फरह और जुनेद उर्फ केंची निवासी सुखदेवनगर, थाना कोतवाली के रूप में हुई है। पुलिस आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई कर रही है।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
फोन नंबर-0565-3550761
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP:- 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

स्वाद में लाजवाब सेहत में बेहतरीन भुना दलिया।

OUR PRODUCTS

- M.P Wheat Atta
- Missa Atta
- Murmura
- Roasted Daliya
- Multi Grain Atta
- Makka Atta
- Poha
- Kuttu Atta
- Multi Millet Atta
- Bajra Atta
- Sooji
- Maida

www.greengoldgrocers.com 8272013780

जमीन के खेल पर एसएसपी का शिकंजा, सात दिन में खुलेगी कुंडली

यूनिक समय, मथुरा। जमीन के कारोबार की आड़ में विवाद और आपराधिक गतिविधियां चलाने वालों पर पुलिस शिकंजा कसने जा रही है। एसएसपी श्लोक कुमार ने जिले के सभी थाना और चौकी प्रभारियों को प्रॉपर्टी डीलरों, एजेंटों, कंपनियों और उनके कर्मचारियों का सत्यापन कर सात दिन में रिपोर्ट तलब की है। आपराधिक इतिहास वाले डीलरों और एजेंटों को चिन्हित कर उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई होगी।

एसएसपी ने थानों में प्रॉपर्टी कारोबारियों और भूमि विवादों की शिकायतों के लिए अलग-अलग रजिस्टर खोलने के निर्देश दिए हैं। इनमें कंपनी संचालकों के नाम, मोबाइल नंबर, कार्यालयों और कारोबार से जुड़ी जानकारी दर्ज होगी। जमीन के विवादों को लेकर पुलिस अब कारोबारियों की गतिविधियों पर भी नजर रखेगी।

पुलिस प्रॉपर्टी डीलरों के लाइसेंसों की हथियारों का ब्योरा जुटाने के साथ अवैध हथियारों की पड़ताल करेगी। उनके यहां तैनात बाउंसरों

आपराधिक डीलर-एजेंट चिन्हित होंगे, हथियारों से लेकर बाउंसरों तक की होगी जांच

और कर्मचारियों का सत्यापन कर आपराधिक इतिहास खंगाला जाएगा। आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त लोगों पर गुंडा एक्ट समेत अन्य कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी। चिन्हित लोगों की जानकारी भू-माफिया पोर्टल पर दर्ज करने के निर्देश भी दिए गए हैं। कंपनी संचालकों को आपराधिक इतिहास वाले एजेंटों और कर्मचारियों को काम पर नहीं रखने की हिदायत दी जाएगी। भूमि विवादों की शिकायतों पर कार्रवाई में लापरवाही मिलने पर संबंधित थाना और चौकी प्रभारी की जिम्मेदारी तय होगी। सात दिन में रिपोर्ट सीओ को सौंपनी होगी, जिसे एसएसपी के वाचक कार्यालय भेजा जाएगा। प्रॉपर्टी डीलरों और एजेंटों के साथ बैठक कर उन्हें भी निर्देश दिए जाएंगे।

चोरी की बाइक के साथ आरोपी गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली पुलिस ने चोरी की टीवीएस मोटरसाइकिल के साथ परमेश्वर सिंह निवासी गांव गाजर, थाना ब्यौहारी, जिला शहडोल (मध्य प्रदेश) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसे धौलीप्याऊचौकी क्षेत्र में रेलवे ग्राउंड की दीवार के समीप प्राथमिक विद्यालय जाने वाले रास्ते से पकड़ा। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

के.डी. मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेण्टर

अब हम देंगे शिशु हृदय रोग विशेषज्ञ की सेवाएं

हर माता-पिता को बच्चे के दिल के बारे में यह जानकारी जरूरी है

बच्चों में हृदय रोग के लक्षण

- सांस फूलना • उचित आहार न ले पाना • छाती में दर्द • बार-बार सर्दी एवं खांसी होना • जन्म के वक्त शिशु के वजन में कमी होना
- बार-बार निमोनिया होना • दूध पीते वक्त ज्यादा पसीना आना • होठ, नाखून व जीभ का नीला पड़ जाना • हाथ टखनों व पैरों में सूजन

बच्चों में हृदय से संबंधित होने वाली प्रमुख बीमारियां निदान

- मायोकार्डिटिस (Myocarditis) हृदय की मांसपेशियों में होने वाली सूजन को कहते हैं। यह स्थिति आमतौर पर किसी वायरल संक्रमण (जैसे सामान्य सर्दी या फ्लू) के कारण होती है, जिससे हृदय की खून पंप करने की क्षमता कम हो जाती है और धड़कनें अनियमित हो सकती हैं
- दिल में छेद (Heart Defect) आमतौर पर जन्मजात होता है, जो गर्भावस्था के 30 से 35 दिनों के दौरान भ्रूण का दिल ठीक से न बनने के कारण होता है।
- कावासाकी रोग (Kawasaki Disease) एक दुर्लभ बीमारी है जो मुख्य रूप से 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को प्रभावित करती है। इसमें शरीर की रक्त वाहिकाओं (विशेषकर हृदय की कोरोनरी धमनियों) में सूजन आ जाती है, जिससे तेज बुखार और चकत्ते जैसे लक्षण उभरते हैं

Dr. Arpita Mishra
Consultant Pediatrician and Pediatric Cardiology
MBBS, DNB Pediatrics (Lilavati Hospital, Mumbai)
Fellowship Pediatric Cardiology (MUHS)
Sathya Sai Sanjeevani Hospital, Mumbai
Assistant Professor KD Medical College

ओ.पी.डी. समय
प्रातः 9:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक

24/7 EMERGENCY SERVICE

उपलब्ध सुविधाएं

Neonatal Echo

नवजात शिशुओं (जन्म से लेकर 28 दिनों तक के बच्चों) के हृदय की एक विशेष प्रकार की अल्ट्रासाउंड जांच होती है। यह जांच नवजात शिशु के दिल की बनावट, आकार, कार्यप्रणाली और रक्त प्रवाह की सटीक तस्वीर दिखाती है।

Pediatric Echo

टेस्ट में बच्चे के फीटस या फिर भ्रूण की संरचना, हृदय गति या इसकी लय का आकलन किया जाता है। इस टेस्ट के माध्यम से भ्रूण के हार्ट चैम्बर, वाल्व, रक्त वाहिकाएं और रक्त प्रवाह की जांच आसानी से हो सकती है।

अत्याधुनिक आपरेशन थियेटर | NICU-PICU | ब्लड बैंक | पैथोलॉजी

अकबरपुर, छाता, मथुरा 7055400400, 7088105741

कुमारजी बन आरोग्य केंद्र अस्पताल चर्च के इलाक़ में सुविधा • भारतीय रेल्वे से सड़क • हेल्थ इंफोरेन्स से क्वैरेंस इंटरन की सुविधा • ECHS की सुविधा

राशन डीलरों को राहत, जिले में बन रहे 40 अन्नपूर्णा भवन

यूनिक समय, मथुरा। राशन की दुकानों पर जगह की कमी और खाद्यान्न पहुंचाने में होने वाली परेशानी दूर करने के लिए जिले में 40 अन्नपूर्णा भवन बनाए जा रहे हैं। इनमें से 22 भवन तैयार हो चुके हैं, जबकि 18 पर निर्माण कार्य जारी है। प्रत्येक भवन 484 वर्ग फुट क्षेत्रफल में बनाया जा रहा है। एक भवन पर करीब 8.46 लाख रुपये खर्च किए जा रहे हैं।

अन्नपूर्णा भवन बनने से राशन डीलरों को खाद्यान्न रखने और वितरण करने के लिए अलग स्थान मिलेगा। दरअसल, कई गांवों में संकरी गलियों के कारण बड़े वाहन राशन की दुकानों तक नहीं पहुंच पाते। इससे खाद्यान्न लाने और भंडारण करने में परेशानी होती है। निर्धारित स्थानों पर भवन तैयार होने से वितरण व्यवस्था में सुधार की उम्मीद है।



गांव आंगई में तैयार अन्नपूर्णा भवन।

हालांकि, नए केंद्रों पर राशन वितरण शुरू होने से कुछ उपभोक्ताओं को राशन लेने के लिए अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ सकती है।

ब्लॉकवार स्थिति के अनुसार छाता में चार, नंदगांव में दो, चौमुहां में दो, बलदेव में चार, राया में दो, मांट में तीन, नौहडली में दो और मथुरा ब्लॉक में तीन

भवन तैयार हो चुके हैं। मथुरा और फरह ब्लॉक में पांच-पांच भवनों का निर्माण कराया जा रहा है। गोवर्धन में भी निर्माण कार्य जारी है।

जिला पूर्ति अधिकारी संजीव सिंह ने बताया कि निर्माणाधीन अन्नपूर्णा भवनों को जल्द पूरा कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अंदरूनी गलियों

22 भवन तैयार, 18 पर काम जारी, प्रत्येक पर खर्च 8.46 लाख

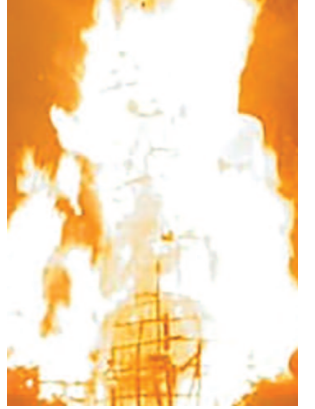
राशन लेने के लिए उपभोक्ताओं को तय करनी पड़ सकती है अतिरिक्त दूरी

में वाहन नहीं पहुंच पाते से खाद्यान्न की ढुलाई में परेशानी होती थी। भवन बनने से राशन डीलरों को सुविधा मिलेगी। उपभोक्ताओं को राशन कहां से मिलेगा, यह संबंधित वितरण केंद्र की व्यवस्था पर निर्भर करेगा।

शेरगढ़ में धूं-धूं कर जला रावण

यूनिक समय, शेरगढ़। दशहरा पर रावण दहन को लेकर कस्बा में सुबह से ही उत्साह था। मंगलवार देर शाम रावण के पुतले का दहन किया गया, जिसे देखने के लिए कस्बे के साथ आसपास के गांवों के लोगों में उत्सुकता बनी रही। बच्चों से लेकर बड़ों तक में रावण दहन देखने का उत्साह नजर आया।

शेरगढ़ में रावण दहन की तैयारियों के बीच सुरीर के कारीगर पुतले को अंतिम रूप देने में जुटे रहे। पुतला निर्माण में लगे कारीगर अजीत ने बताया कि उनकी टीम पिछले कई वर्षों से रावण के पुतले तैयार करती आ रही है। इस बार शेरगढ़ में पुतला बनाने की



जिम्मेदारी मिली है। टीम के सदस्य पूरी मेहनत से पुतले को तैयार करने में जुटे हुए हैं।

दशहरे पर गौरी गोपाल आश्रम में भव्य भंडारा आयोजित

स्व. सुरेश चंद्र अग्रवाल की 75वीं जयंती पर हुआ आयोजन

भजन संध्या में बांके बिहारी के भजनों पर झूमे श्रद्धालु

यूनिक समय, मथुरा। दशहरा पर्व पर प्राचीन ठाकुर श्री केशव देव मंदिर के भक्तों की ओर से गौरी गोपाल आश्रम में भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। ठाकुर श्री केशव देव जी और गौरी गोपाल के चित्रपट पर पुष्पवर्षा के बाद महाराज अनिरुद्ध आचार्य ने भंडारे का शुभारंभ किया। इसमें सैकड़ों साधु-संतों और श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

यह आयोजन ठाकुर श्री केशव देव जी के परम भक्त स्व. सुरेश चंद्र अग्रवाल सुपारी वालों की 75वीं जयंती के उपलक्ष्य में किया गया। इस अवसर पर आश्रम में मिठाई की व्यवस्था की गई। ठाकुर जी के सम्मुख भजन संध्या का आयोजन भी हुआ, जिसमें भजन गायकों ने भक्तिमय प्रस्तुतियों से वातावरण को



श्रद्धालुओं को भंडारे का प्रसाद वितरित करते समाजसेवी।

भक्तिरस से सराबोर कर दिया। मनमोहन आगरा ने 'गिरिराज वास में पाऊं, ब्रज तज वैकुंठ न जाऊं', बनवारी लाल शर्मा ने 'राधा को नाम अनमोल, बोलो राधे-राधे' और दीपक शर्मा ने 'आ जाइए मेरी अटारी, मेरे बांके बिहारी' जैसे भजनों की प्रस्तुति दी। भजनों पर श्रद्धालु झूमते और नृत्य करते नजर आए। इस अवसर पर राजकुमार अग्रवाल, महेश गौयल, सुरेश चंद्र अग्रवाल, वृजनंदन शर्मा, महेश राया, मुकेश सिंह, वेद प्रकाश शर्मा, रोहित रसोई और वैभव अरोड़ा सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे।

आधी रात को निकलेगी मां काली की सवारी, रौद्र रूप के होंगे दर्शन

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर में मंगलवार आधी रात मां काली की सवारी निकलने के साथ आस्था का सैलाब उमड़ेगा। घड़ी में 12 बजते ही मंदिर के पट खुलेंगे और मां काली अपने दिव्य-रौद्र स्वरूप में भक्तों को दर्शन देंगी। मां की एक झलक पाने के लिए श्रद्धालु घंटों कतारों में खड़े होकर जयकारे लगाएंगे। मेले को लेकर नगर में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

शाम आठ बजे से ही बाजारों में श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो जाएगा। मां काली की सवारी मंदिर से निकलकर बैंड-बाजों की धार्मिक धुनों के बीच नगर के प्रमुख बाजारों में भ्रमण करेगी। इसके बाद सवारी ऐतिहासिक भरतमिलाप चौक पहुंचेगी, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु मां के दर्शन करेंगे। मान्यता है कि पूरी रात भक्तों का

काली मेले को लेकर पुलिस अलर्ट, अधिकारियों ने परखा रूट

कल्याण करने के बाद मां सुबह पांच बजे पाताल लोक में समा जाती है। मेले में उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने शाम को मेला मार्ग का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सीओ भूषण वर्मा ने बताया कि मेले को सकुशल संपन्न कराने के लिए विभिन्न स्थानों पर पुलिस बल तैनात रहेगा। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और आवागमन सुचारु रखने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं।

दंगल में नहीं पहुंचे डिटी सीएम बृजेश पाठक

यूनिक समय, नौहडली। कस्बे में आयोजित दंगल में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल नहीं हो सके। अपरिहार्य कारणों के चलते उनका कार्यक्रम निरस्त हो गया। उन्होंने इंटरनेट मीडिया पर वीडियो संदेश जारी कर क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं दीं। उपमुख्यमंत्री ने वीडियो संदेश के माध्यम से दंगल आयोजन के लिए अपनी शुभेच्छा व्यक्त की।

हत्या के प्रयास में वांछित आरोपी गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में वांछित चल रहे आरोपी सरिक निवासी कट्टीखाना, मनोहरपुरा, भरतपुर गेट को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसे केआर इंटर कॉलेज के सामने वाल्मीकि बगीची के समीप से पकड़ा। आरोपी के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

मौसम बदला तो वायरल का वार सौ सैय्या अस्पताल में उमड़े मरीज



सौ सैय्या अस्पताल में पंजीकरण कराते तीमारदार-मरीज।

बुखार, खांसी और बदन दर्द से परेशान लोग, बच्चों-बुजुर्गों पर ज्यादा असर

एक सप्ताह में मरीजों की संख्या में उतार-चढ़ाव सतर्कता जरूरी

यूनिक समय, वृंदावन। बदलते मौसम के साथ वायरल बुखार और मौसमी बीमारियों ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। वृंदावन के सौ सैय्या अस्पताल में उपचार के लिए मरीज पहुंच रहे हैं। सर्दी, खांसी, बुखार और शरीर में दर्द की शिकायत लेकर आने वाले मरीजों की संख्या में बीते सप्ताह उतार-चढ़ाव देखने को मिला। बच्चों और बुजुर्गों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है।

अस्पताल के आंकड़ों के अनुसार, सोमवार को 516 मरीजों के पर्वें बनाए गए। मंगलवार को यह संख्या 440 रही, जबकि बुधवार को 398 और

बदलते मौसम में सावधानी जरूरी

मौसम में उतार-चढ़ाव के दौरान खानपान और दिनचर्या में लापरवाही स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां बढ़ा सकती है। ऐसे में साफ-सफाई का ध्यान रखने, पर्याप्त पानी पीने और पोष्टिक भोजन लेने की जरूरत है। बच्चों और बुजुर्गों को ठंडे-गर्म वातावरण के अचानक बदलाव से बचना भी जरूरी है। बुखार, खांसी या शरीर में दर्द जैसे लक्षण बने रहने पर चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए। बिना सलाह दवाओं का सेवन करने से बचें और लक्षण गंभीर होने पर उपचार में देरी न करें। मौसम में बदलाव के दौरान सतर्कता बरतकर मौसमी बीमारियों से बचाव किया जा सकता है।

गुरुवार को 391 पर्वें बने। शुक्रवार को मरीजों की संख्या घटकर 185 और शनिवार को 194 रह गई। इसके बाद सोमवार को 198 पर्वें बनाए गए। आंकड़े बताते हैं कि अस्पताल में मरीजों की आमद लगातार बनी हुई है, हालांकि प्रतिदिन संख्या में अंतर देखने को मिल रहा है।

वृंदावन में कहीं राधे-राधे, कहीं शराबियों का डेरा

यूनिक समय, वृंदावन। सुबह की पहली किरण के साथ ही धर्मनगरी में भक्ति का रंग चढ़ने लगता है। मंदिरों के पट खुलते हैं, घंटियों की गूंज सुनाई देने लगती है और गलियों में कदम-कदम पर 'राधे-राधे' का अभिवादन होता है। कोई हाथों में फूल-माला लेकर ठाकुरजी के दर्शन को निकलता है, तो कोई भजन गुनगुनाते हुए मंदिर की ओर बढ़ता है। लेकिन इसी भक्तिमय सुबह के बीच कुछ ऐसे दृश्य भी दिखाई देते हैं, जो धर्मनगरी की पहचान से मेल नहीं खाते।

शराब के ठेकों के आसपास सुबह-सुबह लोगों की मौजूदगी और नशे में लड़खड़ते कदम माहौल का दूसरा पहलू



धौरेरा जाने वाले मार्ग के समीप बेसुध पड़े शराबी।

मंदिरों की ओर बढ़ते श्रद्धालु, सड़कों पर बेसुध पड़े लोग

राहगीरों को ऐसे लोगों के बीच से रास्ता बनाकर निकलना पड़ता है।

मंदिरों की ओर बढ़ते श्रद्धालुओं और सड़कों पर नशे में पड़े लोगों के बीच का यह विरोधाभास सुबह के दृश्य को और भी विचलित करने वाला बना देता है।

देश-विदेश से लोग वृंदावन में आध्यात्मिक शांति और भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन की आस लेकर पहुंचते हैं। ऐसे

में सार्वजनिक स्थानों पर नशे में बेसुध पड़े लोगों के दृश्य शहर की छवि पर सवाल खड़े करते हैं। एक ओर मंदिरों में भक्ति और श्रद्धा का वातावरण होता है, दूसरी ओर सड़क किनारे बिखरा यह नजारा लोगों का ध्यान खींचता है।

देवेन्द्र शर्मा, गोस्वामी रामअवध का कहना है कि धर्मनगरी की गरिमा बनाए रखने के लिए सार्वजनिक स्थलों पर अनुशासन जरूरी है। संबंधित विभागों को भी ऐसे मामलों पर ध्यान देना चाहिए, ताकि सुबह की शुरुआत मंदिरों की घंटियों, भजनों और 'राधे-राधे' के जयकारों से हो, न कि सड़कों पर बेसुध पड़े लोगों के दृश्यों से।

84 हजार अभ्यर्थियों का इम्तिहान 33 केंद्रों पर रहेगा कड़ा पहरा

तीन तारीखों में दो पालियों में परीक्षा, निगरानी को 66 मजिस्ट्रेट तैनात

मोबाइल, घड़ी और ब्लूटूथ समेत इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर पाबंदी

यूनिक समय, मथुरा। जिले में 84,816 अभ्यर्थियों की परीक्षा कराने के लिए प्रशासन ने कमर कस ली है। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, लखनऊ की ओर से 25 और 30 अक्टूबर और एक नवंबर को होने



वाली परीक्षा के लिए 33 केंद्र बनाए गए हैं। दो पालियों में होने वाले इम्तिहान के दौरान सुरक्षा और निगरानी की जिम्मेदारी 66 मजिस्ट्रेट संभालेंगे। परीक्षा केंद्रों पर किसी भी तरह की गड़बड़ी रोकने और व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के लिए प्रशासन ने निगरानी का खाका तैयार किया है।

हर केंद्र पर दो मजिस्ट्रेटों की निगरानी

प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर एक सेक्टर मजिस्ट्रेट और एक स्टैटिक मजिस्ट्रेट तैनात रहेगा। डीएम सीपी सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार भी तैयारियों की निगरानी करेंगे। तीन अलग-अलग तिथियों में बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के शामिल होने को देखते हुए केंद्रों पर निर्धारित नियमों का कड़ाई से पालन कराने पर जोर दिया जा रहा है।

मोबाइल से कलाई घड़ी तक प्रतिबंधित

एडीएम प्रशासन अमरेश कुमार ने बताया कि मोबाइल फोन, टैबलेट, पेनड्राइव, हार्ड डिस्क, डाटा कार्ड, कैलकुलेटर, ब्लूटूथ डिवाइस, ईयरफोन, कलाई घड़ी और एटीएम कार्ड सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण परीक्षा केंद्र में ले जाने की अनुमति नहीं होगी। उन्होंने अभ्यर्थियों से केंद्र पर पहुंचने से पहले अपने सामान की जांच करने की अपील की, ताकि प्रवेश के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो।

रावण दहन का विरोध, सारस्वत समाज ने की पूजा-अर्चना



जयश्री लंकेश मंदिर में दशानन की पूजा करता श्रद्धालु।

यूनिक समय, मथुरा। विजयदशमी पर शहर में रावण दहन की तैयारियों के बीच यमुना किनारे स्थित जयश्री लंकेश मंदिर में सारस्वत समाज के लोगों ने रावण (लंकेश) की विशेष पूजा-अर्चना की। समाज के लोगों ने रावण के पुतला दहन का विरोध जताते हुए इसे बंद करने की मांग उठाई।

श्रद्धालुओं का कहना है कि रावण प्रकांड विद्वान होने के साथ भगवान श्रीराम के आचार्य भी थे। ऐसे में उनका पुतला फूंकना श्रीराम के आदर्शों के अनुरूप नहीं है। लंकेश भक्त मंडल के संरक्षक ओमवीर सारस्वत ने कहा कि

लंकेश भक्त मंडल ने उठाई पुतला दहन पर रोक लगाने की मांग

हर साल रावण दहन होता है, लेकिन समाज से बुराईयां समाप्त नहीं हो रही हैं। लोगों को पुतला जलाने के बजाय अपने भीतर की बुराइयों का अंत करना चाहिए।

उन्होंने रावण वध की लीला मंचन तक सीमित रखने और जगह-जगह होने वाले पुतला दहन पर रोक लगाने की मांग की।

साधु-संतों ने किया शस्त्र पूजन



दशहरा पर शस्त्र पूजन करते संत-महंत।

यूनिक समय, वृंदावन। विजयादशमी पर नगर के परिक्रमा मार्ग स्थित ललित कुंज आश्रम में ध्यान मूर्ति सत्संग सेवा संस्थान के तत्वावधान में शस्त्र पूजन कार्यक्रम हुआ। साधु-संतों ने विधि-विधान से शस्त्रों का पूजन कर सनातन धर्म, भारतीय संस्कृति और धार्मिक परंपराओं के संरक्षण का संदेश दिया।

अध्यक्षता करते हुए महामंडलेश्वर मां ध्यानमूर्ति ने कहा कि विजयादशमी असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है। शस्त्र पूजन की परंपरा धर्म, न्याय और सत्य की रक्षा के लिए तत्पर रहने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म के अनुयायियों को शस्त्रों के अध्ययन के साथ शस्त्र विद्या का प्रशिक्षण लेने के प्रति भी जागरूक होना चाहिए।

महंत मोहिनी बिहारी शरण ने कहा कि शस्त्र मनुष्य को ज्ञान, विवेक और

सनातन धर्म की रक्षा के लिए शास्त्र और शस्त्र दोनों आवश्यक : महामंडलेश्वर मां ध्यानमूर्ति

सदाचार का मार्ग दिखाते हैं, जबकि शस्त्र आत्मरक्षा और न्याय की भावना से जुड़े हैं। दोनों के बीच संतुलन आवश्यक है। महामंडलेश्वर सत्यानंद सरस्वती अधिकारी गुरु ने कहा कि सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति के संरक्षण के लिए समाज को जागरूक-संगठित रहना चाहिए। कार्यक्रम में साधु-संतों ने धर्म, साहस, संयम और कर्तव्यनिष्ठा के आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर महंत रामदास, सौरभ गौड़, हरिओम शास्त्री, अनमोल शास्त्री, अंकित शास्त्री, पुरुषोत्तम और दिनू पंडित सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

We Rebrand your Business

The Brand comes from Great Ideas

ADVERTISING | BRANDING | DIGITAL MARKETING

GET FREE CONSULTATION NOW

For more Details

CALL 9837115157 8273944888

E-MAIL Send Advertisement Details to: inform@nicom@gmail.com

PAY Online through PAYTM & UPI 9412727299

खो-खो में हाथरस और डिवाइन आगरा बनीं मंडल चैंपियन



खिलाड़ियों का हाथ मिलवाकर प्रतियोगिता का शुभारंभ करवाते पूर्व ब्लाक प्रमुख योगराज सिंह आदि।

यूनिक समय, फरह। रेवती लाल विवेक इंटर कॉलेज रैपुरा जाट में सोमवार को मंडलीय खो-खो प्रतियोगिता का धमाकेदार समापन हुआ। मंडल स्तरीय 14 और 17 आयु वर्ग की एक दिवसीय इंटर स्कूल प्रतियोगिता में आगरा, मथुरा और हाथरस मंडल की 18 टीमों ने दमखम दिखाया।

बालक वर्ग के फाइनल में नारायण इंटरनेशनल स्कूल, हाथरस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान पर कब्जा जमाया। द्वितीय स्थान पर आगरा कॉलेज आगरा और तृतीय स्थान पर राजेंद्र स्वरूप स्कूल आगरा की टीम रही। वहीं बालिका वर्ग में डिवाइन पब्लिक स्कूल आगरा ने प्रथम ट्रॉफी जीती। द्वितीय स्थान पर राजेंद्र स्वरूप स्कूल आगरा और तृतीय स्थान पर मेजबान रेवती लाल विवेक इंटर कॉलेज रैपुरा जाट की टीम रही।

प्रतियोगिता के अतिथि अछनेरा के पूर्व ब्लॉक प्रमुख योगराज सिंह और

तीसरे स्थान पर रही रेवती लाल विवेक इंटर कॉलेज रैपुरा जाट की टीम

शारीरिक शिक्षक निखिल कुमार ने विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी, मेडल और पुरस्कार देकर सम्मानित किया। शुभारंभ मूला सिंह, दिलीप सिंह और डॉ. पप्पू ने दीप प्रज्वलित कर किया। निर्णायक की भूमिका में रेफरी शाहिद हुसैन और शाहिद खान रहे।

पूर्व ब्लॉक प्रमुख योगराज सिंह ने कहा कि गांव के स्कूलों में प्रतिभा की कमी नहीं है, बस उन्हें मंच चाहिए। विद्यालय प्रबंधक समीर कुमार सिंह ने कहा कि उनका लक्ष्य बच्चों को राष्ट्रीय स्तर का खिलाड़ी बनाना है। इस दौरान प्रधानाचार्य अशोक दीक्षित, विवेक सिंह, शारीरिक शिक्षक शेखर शर्मा, हर्षित चौधरी उर्फ कुक्कू, तरुण कुमार, विवेक चौहान, केके चौधरी समेत सैकड़ों छात्र मौजूद रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से वृद्ध की मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना मांट क्षेत्र में भीम अंडरपास के समीप अज्ञात वाहन की टक्कर से 60 वर्षीय वृद्ध की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची बारहमासी पुलिस चौकी के प्रभारी हर्षेंद्र कुमार घायल को अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। चौकी प्रभारी हर्षेंद्र कुमार ने बताया कि मृतक की तलाशी में मिले कागजात के आधार पर उसकी पहचान बिजेंद्र निवासी गांव लड़ियाका, थाना होडल, जिला पलवल (हरियाणा) के रूप में हुई। उसके पास मिले मोबाइल नंबर के जरिए पुत्र साहिल को घटना की सूचना दी गई। बताया गया कि वृद्ध पैदल जा रहा था, तभी किसी वाहन ने उसे टक्कर मार दी। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

चोरी के मोबाइल और नकदी के साथ आरोपी गिरफ्तार

यूनिक समय, वृंदावन। कोतवाली पुलिस ने चोरी के मोबाइल फोन और नकदी के मामले में आरोपी समीरन शर्मा पाठक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से वनप्लस मोबाइल फोन, पहचान संबंधी कार्ड और 500 रुपये का नोट बरामद किया है।

सत्य, धर्म और राष्ट्रभक्ति का संदेश लेकर कदमताल करते निकले स्वयंसेवक

पुष्पवर्षा कर नागरिकों ने किया स्वागत, बौद्धिक में सामाजिक समरसता पर जोर

यूनिक समय, मथुरा। मंगलवार को दीनदयाल नगर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का विजयादशमी उत्सव उत्साह और अनुशासन के साथ मनाया गया। सरस्वती शिशु मंदिर में सुबह सात बजे सैकड़ों स्वयंसेवक एकत्रित हुए। भगवा ध्वज आरोहण के बाद तलवार, छुरिका, भाला, लाठी, बंदूक और रिवॉल्वर सहित विभिन्न शस्त्रों का रोली, चावल और पुष्पों से पूजन किया गया।

क्षेत्र प्रचारक महेंद्र कुमार ने विजयादशमी और संघ स्थापना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि 101 वर्ष पूर्व डॉ. केशवराव हेडगेवार ने नागपुर में संघ की स्थापना की थी। शस्त्र पूजन के बाद घोष दल की धुन



शस्त्र पूजन करते क्षेत्र प्रचारक महेंद्र कुमार।

पर गणवेशधारी स्वयंसेवकों ने पथ संचलन निकाला। सरस्वती शिशु मंदिर से शुरू संचलन विकास बाजार, आगरा रोड, होली गेट, छत्ता, विश्राम घाट, प्रयाग घाट, बंगाली घाट और आर्य समाज रोड होते हुए वापस मंदिर पहुंचा। भारत माता की झांकी भी साथ रही। जगह-जगह पुष्पवर्षा से स्वागत हुआ। एक परिवार के 11 पुरुष सदस्य भी शामिल हुए। रामदास ने गणगीत, नैतिक

ने संघ प्रार्थना, फूलचंद ने एकल गीत और रवि ने अमृत वचन प्रस्तुत किए। मुख्य शिक्षक चिराग रहे। नगर कार्यवाह राजकुमार, यश अग्रवाल, पारस पार्थ, शिवकुमार, कमल किशोर, महानगर कार्यवाह विजय बंटा सर्राफ, अखिल, भारत माता की झांकी भी साथ रही। जगह-जगह पुष्पवर्षा से स्वागत हुआ। एक परिवार के 11 पुरुष सदस्य भी शामिल हुए। रामदास ने गणगीत, नैतिक



पथ संचलन में शामिल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता।

उपस्थित रहे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के रीफाइनरी नगर की ओर से मंगलवार को विजयादशमी उत्सव मनाया गया। कृष्ण कुंज से डायट मार्ग तक पथ संचलन निकाला गया। पूर्ण गणवेश में करीब 100 स्वयंसेवकों ने अनुशासित कदमताल करते हुए राष्ट्रभक्ति और संगठन का संदेश दिया। मार्ग में स्थानीय नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत किया। पथ

संचलन से पूर्व आयोजित बौद्धिक कार्यक्रम में विद्या भारती ब्रज प्रांत के संगठन मंत्री प्रमोद मुख्ख वक्ता रहे। कार्यक्रम में कैलाश, डॉ. कमल, राजेश दीक्षित, नागेंद्र, चंद्रपाल, ब्रज मोहन, ओमवीर, चंद्रभान, विजेंद्र, रमन और धनंजय सहित प्रांत और नगर स्तर के अनेक पदाधिकारी व वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे। समापन भारत माता की जय के साथ हुआ।

60 फुट का कुंभकरण धूं-धूं कर जला, जय श्रीराम से गुंजा कोसीकलां

हजारों श्रद्धालुओं ने देखा कुंभकरण वध

आतिशबाजी से जगमगाया आसमान

यूनिक समय, कोसीकलां। श्री रामलीला महोत्सव समिति के तत्वावधान में चल रहे रामलीला महोत्सव में मंगलवार शाम भक्ति और उत्साह का सैलाब उमड़ पड़ा। कृषि अनाज मंडी परिसर में भगवान राम के स्वरूप ने जैसे ही अग्निबाण



चलाकर 60 फुट ऊंचे कुंभकरण के पुतले का दहन किया, पूरा परिसर

जय श्रीराम के गगनभेदी जयकारों से गुंज उठा। पुतला दहन देखने के लिए हजारों श्रद्धालु जुटे। इससे पहले स्थानीय कलाकारों ने कुंभकरण वध की लीला का सजीव मंचन किया। पुतला धूं-धूं कर जला तो भव्य आतिशबाजी से आसमान तो भव्य आतिशबाजी से आसमान के दौरान प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए। मंडी परिसर में पुलिस बल तैनात रहा और भीड़ नियंत्रण के लिए बैरिकेडिंग की गई। कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

रामलीला संस्थान के अध्यक्ष गिराज

सिंह ने बताया कि बुधवार को अनाज मंडी परिसर में रावण के विशाल पुतले का दहन किया जाएगा। संस्थान ने आयोजन में पहुंचे श्रद्धालुओं का आभार जताया। इस मौके पर अध्यक्ष गिराज सिंह, राहुल जैन कामियां, खगेंद्र सिंह उर्फ बाबी ठाकुर, मंत्री हैप्पी गर्ग, अनुराग तायल, सोनू हलवाई, नवल अग्रवाल, हरीश बिंदल, देवेश गौड़, मनीष गुप्ता गुड़ वाले, अमित जैन, नवांशु अग्रवाल और अमित अग्रवाल मौना सहित संस्थान के पदाधिकारी- सदस्य मौजूद रहे।

नवयुवक ब्रजमंडल क्लब के भगत संगीत महोत्सव की तैयारियां शुरू



ध्वज पूजन करते नवयुवक ब्रजमंडल क्लब के पदाधिकारी।

21 से सजेगी भक्ति और संस्कृति की महफिल

तीन दिन तक रामलीला ग्राउंड बनेगा ब्रज संस्कृति का केंद्र

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर में भक्ति, संस्कृति और ब्रज की लोक कला का संगम एक बार फिर देखने को मिलेगा। नवयुवक ब्रजमंडल क्लब द्वारा आयोजित होने वाले तीन दिवसीय विराट भगत संगीत एवं सांस्कृतिक महोत्सव का शुभारंभ रविवार को रामलीला ग्राउंड में ध्वज पूजन-झंडा रोहण के साथ हुआ। जैसे ही हनुमान जी के ध्वज का पूजन कर झंडा रोहण किया गया, पूरा रामलीला मैदान जय बजरंगबली, जय श्रीराम के जयकारों से

गुंज उठा। पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ ध्वज का पूजन कराया और तीन दिवसीय आयोजन के निर्विघ्न- सफल होने की कामना की। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि यह भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम 21, 22 और 23 अक्टूबर को रामलीला ग्राउंड में आयोजित किया जाएगा। तीन दिन तक हर शाम ब्रज की प्रसिद्ध सांग नौटंकी शैली में भगत संगीत का प्रदर्शन होगा, जिसमें कलाकार मंच पर भक्तों की गाथाओं और भगवान श्रीराम-कृष्ण की लीलाओं को जीवंत करेंगे। इस मौके पर जमुना प्रसाद, चैयस्मैन धर्मवीर अग्रवाल, भाजपा नेता तरुण सेठ, विवेक चौधरी, हुकमचंद अग्रवाल आदि लोग मौजूद रहे।

जयकारों के बीच यमुना में मैया को दी विदाई

दशहरे पर प्रतिमा विसर्जन के दौरान मुस्तैद रही बलदेव पुलिस

श्रद्धालुओं को किया सतर्क

यूनिक समय, गोकुल। नवरात्र के नौ दिनों तक मां दुर्गा की पूजा-अर्चना के बाद दशहरे पर श्रद्धालुओं ने यमुना में प्रतिमाओं का विसर्जन कर मैया को विदाई दी। इस दौरान मां के जयकारों से यमुना तट भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

विसर्जन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बलदेव पुलिस मुस्तैद रही।



मंगलवार को यमुना नदी में माता रानी की प्रतिमा का विसर्जन करते श्रद्धालु।

पुलिसकर्मियों ने यमुना तट पर निगरानी रखने के साथ श्रद्धालुओं को सुरक्षा संबंधी हिदायतें दीं। लोगों से गहरे पानी में न जाने और बच्चों पर विशेष ध्यान रखने की अपील की गई। आस्था और उत्साह के बीच प्रतिमा विसर्जन संपन्न हुआ।

भरत मिलाप की झांकियों पर इनामों की होगी बरसात, प्रथम पुरस्कार 2.32 लाख

यूनिक समय, कोसीकलां। ब्रज के प्रसिद्ध ऐतिहासिक भरत मिलाप मेले को लेकर नगर में उत्साह चरम पर है। 22 अक्टूबर को निकलने वाली भव्य झांकियों को लेकर इस बार आयोजकों ने इनामी राशि में बड़ी बढ़ोतरी की है। लाखों रुपये के पुरस्कारों की घोषणा से झांकी तैयार करने वालों में उत्साह है। रामलीला संस्थान के साथ नगर के उद्योगपतियों और समाजसेवियों ने पुरस्कारों के लिए सहयोग दिया है। प्रथम विजेता को 2,32,100 रुपये नकद और ओरिएंट कंपनी का सीलिंग फैन मिलेगा। इसमें पीसी जैन, दिल्ली वालों की ओर से 51

हजार रुपये, रुक्मणी प्रॉपर्टीज के मोहित अग्रवाल और राहुल शर्मा की ओर से 51 हजार रुपये का सहयोग शामिल है। द्वितीय पुरस्कार में 1,58,300 रुपये नकद और मिक्सर ग्राइंडर, जबकि तृतीय पुरस्कार में 1,07,300 रुपये नकद और इलेक्ट्रिक प्रेस दी जाएगी। चतुर्थ, पंचम और सात्वना पुरस्कार में चांदी के सिक्के व एलईडी लाइट प्रदान की जाएंगी। रामलीला संस्थान के मीडिया प्रभारी नवल अग्रवाल ने बताया कि पुरस्कारों का उद्देश्य धार्मिक-सांस्कृतिक परंपरा को जीवित रखना और नई पीढ़ी को अपनी विरासत से जोड़ना है।

विजयादशमी पर आरएसएस का पथ संचलन, पुष्पवर्षा से हुआ स्वागत

घोष की थाप पर अनुशासित कदमताल

राष्ट्रसेवा और सामाजिक एकता का दिया संदेश

यूनिक समय, कोसीकलां। विजयादशमी पर मंगलवार को नगर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का पथ संचलन निकला। पूर्ण गणवेश में अनुशासित कदमताल करते स्वयंसेवकों ने राष्ट्रसेवा और संगठन का संदेश दिया। पंजाबी कॉलोनी स्थित मंदिर से घोष की थाप के साथ शुरू हुए संचलन का मार्ग में जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। हाथों में दंड और अनुशासित पंक्तियों में



मंगलवार को दशहरा पर पथ संचालन निकालते स्वयंसेवक।

चलते स्वयंसेवक आकर्षण का केंद्र रहे। संचलन आर्य नगर और पुराना जीटी रोड होते हुए शेरागढ़ रोड स्थित सरस्वती शिशु मंदिर पहुंचकर संपन्न हुआ। इस अवसर पर विभाग के वरिष्ठ पदाधिकारी हेमंत दीक्षित, अंकित मालवीय, हरमीत, राजेश, कन्हैया लाल गोयल, प्रमोद बटैनिया, नगर प्रचारक सुमित सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक मौजूद रहे।

30 को सजेगी भजन संध्या, महाराजा अग्रसेन के नाम होगी रसीली शाम

ध्रुव शर्मा और स्वर्णाश्री देंगे प्रस्तुति

वृद्धजन और अग्र गौरव सम्मान समारोह भी होगा

यूनिक समय, कोसीकलां। महाराजा अग्रसेन के सम्मान में 30 अक्टूबर को आर्य नगर स्थित आर्य समाज धर्मशाला में 'रसीली शाम महाराजा अग्रसेन के नाम' कार्यक्रम आयोजित होगा। इसमें श्रीधाम वृंदावन के भजन गायक ध्रुव शर्मा और स्वर्णाश्री भजनों की

प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भावविभोर करेंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ अमित अग्रवाल मौना सराफ, नरेश अग्रवाल बांसईया, गिरीश अग्रवाल, सचिन अग्रवाल मालविया और मनीष कादौनिया संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर करेंगे। इससे पूर्व शाम छह बजे वृद्धजन और अग्र गौरव सम्मान समारोह होगा। इसका शुभारंभ मुख्य अतिथि महेश अग्रवाल, दीपक अग्रवाल और डॉ. प्रकाश आर्य करेंगे। महाराजा अग्रसेन के चित्र पर अग्रवाल सभा के संयोजक देशबंधु अग्रवाल और अध्यक्ष संजीव अग्रवाल जाविवा माल्यार्पण करेंगे। आयोजन को लेकर समाज के लोगों में उत्साह है।

शेरगढ़ में महिलाओं को सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

साइबर ठगी, सुरक्षित असुरक्षित स्पर्श और हेल्पलाइन नंबरों की दी जानकारी

यूनिक समय, शेरगढ़। थाना की मिशन शक्ति टीम, महिला सशक्तिकरण, नारी सम्मान-नारी स्वावलंबन अभियान, ऑपरेशन जागृति, एंटी रेमियो टीम और महिला वीट पुलिस ने मंगलवार को मिशन शक्ति फेज-6.0 के तहत जागरूकता अभियान चलाया।



महिलाओं को जागरूक करती पुलिसकर्मी।

पुलिस टीम ने महिलाओं और बालिकाओं को साइबर अपराधों से

बचाव, सुरक्षित-असुरक्षित स्पर्श की पहचान और नाबालिगों के घर से पलायन

सुरीर में पुलिस की चेकिंग से मचा हड़कंप, वाहन रोके

एसएसपी के निर्देश पर सड़क पर उतरी टीम

दोपहिया-चारपहिया वाहनों की तलाशी

यूनिक समय, सुरीर। अपराधियों पर शिकंजा कसने और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए सोमवार देर शाम थाना क्षेत्र में पुलिस ने सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। थाने के समीप सड़क पर उतरी पुलिस टीम ने दोपहिया और चारपहिया वाहनों को रोककर जांच की। अचानक शुरू हुई चेकिंग से वाहन चालकों में खलबली मची रही। एसएसपी श्लोक कुमार के निर्देशन में चले अभियान के दौरान पुलिसकर्मियों ने वाहनों की जांच कर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी। यातायात नियमों का पालन



भाजपा नेता डॉ. अमर सिंह पौनिया का स्वागत करते आयोजक।

आयोजकों ने फूल-माला और दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। डॉ. अमर सिंह पौनिया ने कहा कि दशहरा केवल रावण दहन का पर्व नहीं, बल्कि अहंकार और अधर्म के अंत का संदेश देता है। उन्होंने धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन के लिए नरसी ग्रुप और युवा मंडल के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।



वाहनों की चेकिंग करते पुलिसकर्मी।

सुनिश्चित करने और क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस ने यह अभियान चलाया। अभियान में एसआई सोहनवीर सिंह, एलएसआई दिव्या कुमारी, हेड कांस्टेबल आनंद कुमार, कांस्टेबल मोहित तथा महिला कांस्टेबल टीना और वृक्षा मौजूद रहीं। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता का संदेश दिया गया।

सुविचार



"खुशी पहले से बनी-बनाई कोई चीज़ नहीं है, यह आपके अपने कर्मों से आती है।"

कल का पंचांग

तिथि	दशमी	12:50-02:12 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	घनिष्ठा	06:02-07:47 तक	माह	आश्विन
सूर्योदय		6:26 AM	चन्द्रोदय	02:20 PM
सूर्यास्त		5:47 PM	चन्द्रास्त	01:25 AM
सूर्य राशि	तुला राशि		चंद्र	मकर राशि
शुभ मुहूर्त	11:51AM-12:41 PM		ब्रह्म मुहूर्त	04:36-05:25
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	03:04 PM- 04:31 PM		वार	बुधवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन



ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : <https://youtube.com/uniquesamay>

शरद पूर्णिमा 25 अक्टूबर को

सर्वार्थ सिद्धि योग में निकलेगा चांद



यूनिक समय, मथुरा। शरद पूर्णिमा का पर्व इस बार 25 अक्टूबर, रविवार को मनाया जाएगा। अश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि पर मनाए जाने वाले इस पर्व का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है। मान्यता है कि शरद पूर्णिमा की रात चंद्रमा अपनी सोलह कलाओं से पूर्ण होकर अमृत वर्षा करता है। इसी विश्वास के चलते लोग खुले आसमान के नीचे खीर रखकर सुबह प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं। इस बार चंद्रोदय

रात 9 बजे के बाद चांदनी में रखें खीर

धार्मिक मान्यताओं में अमृत वर्षा का विशेष महत्व

श्रीकृष्ण की रासलीला और माता लक्ष्मी की कथा का वर्णन

सर्वार्थ सिद्धि योग में होने से पर्व का

धार्मिक महत्व और बढ़ गया है।

वैदिक पंचांग के अनुसार, पूर्णिमा तिथि 25 अक्टूबर को सुबह 11 बजकर 55 मिनट से शुरू होकर 26 अक्टूबर को सुबह 9 बजकर 41 मिनट तक रहेगी। उदयातिथि के अनुसार पूर्णिमा का स्नान-दान 26 अक्टूबर को होगा, जबकि शरद पूर्णिमा का

रविवार को चंद्रोदय शाम 5 बजे होगा। सर्वार्थ सिद्धि योग शाम 7 बजकर 22 मिनट से शुरू होकर अगले दिन सुबह 6 बजकर 29 मिनट तक रहेगा। धार्मिक परंपरा के अनुसार, रात 9 बजे के बाद खीर को ऐसे स्थान पर रखें, जहां चंद्रमा की रोशनी पहुंचे। सुबह इसे प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है। हालांकि, चांदनी में रखने से खीर के औषधीय गुण बढ़ने का वैज्ञानिक प्रमाण स्पष्ट नहीं है। पौराणिक मान्यताओं के



अनुसार, शरद पूर्णिमा की रात भगवान श्रीकृष्ण ने वृंदावन में गोपियों के साथ महारास रचाया था। इसे प्रेम, भक्ति और आध्यात्मिक आनंद का प्रतीक माना जाता है। ब्रज क्षेत्र में इस अवसर पर विशेष धार्मिक आयोजन होते हैं।

एक अन्य मान्यता के अनुसार, शरद पूर्णिमा की रात माता लक्ष्मी पृथ्वी पर भ्रमण करती हैं और जागकर उनकी आराधना करने वाले भक्तों पर कृपा बरसाती हैं। इसी कारण इसे कोजागरी पूर्णिमा भी कहा जाता है। 'को जागर्ति' का अर्थ है-कौन जाग रहा है? भक्त रात में दीप जलाकर माता लक्ष्मी की पूजा करते हैं और सुख-समृद्धि की कामना करते हैं।

शरद पूर्णिमा का संदेश प्रकृति, भक्ति और पारिवारिक परंपराओं से जुड़ने का है। इस दिन चंद्रमा की पूजा, खीर का भोग और जरूरतमंदों को दान करना शुभ माना जाता है।

शिव-सती और दक्ष की कथा सिखाती है रिश्तों में सम्मान का महत्व

यूनिक समय, मथुरा। माता सती, भगवान शिव और प्रजापति दक्ष की पौराणिक कथा रिश्तों में अहंकार, अपमान और क्रोध के दुष्परिणामों का संदेश देती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, दक्ष भगवान शिव को पसंद नहीं करते थे। उन्होंने एक भव्य यज्ञ का आयोजन किया, लेकिन अपनी पुत्री सती और भगवान शिव को आमंत्रित नहीं किया।

सती बिना निमंत्रण यज्ञ में पहुंची, जहां दक्ष ने भगवान शिव का अपमान किया। पति के अपमान से दुखी होकर सती ने यज्ञ कुंड में अपनी देह त्याग दी। इस घटना से भगवान शिव अत्यंत दुखी और क्रोधित हुए। बाद में भगवान विष्णु ने सती के शरीर के अंगों को अलग किया। मान्यता है कि जहां-जहां उनके अंग गिरे, वहां शक्तिपीठ स्थापित हुए।

इस कथा से सीख मिलती है कि पद, प्रतिष्ठा और सफलता का घमंड रिश्तों में दूरी बढ़ा सकता है। परिवार में हर व्यक्ति

अहंकार और अपमान से टूटते हैं रिश्ते, विनम्रता से मजबूत होता है परिवार

पौराणिक प्रसंग से सीखें क्रोध पर नियंत्रण और क्षमा का महत्व

के सम्मान का ध्यान रखना चाहिए। विवाद होने पर क्रोध में निर्णय लेने के बजाय शांतिपूर्वक बातचीत करना बेहतर है। कठिन परिस्थितियों में भावनाओं के साथ विवेक बनाए रखना जरूरी है। बिना बुलाए किसी आयोजन में जाने या विवाद में पड़ने से पहले परिस्थिति को समझें। क्षमा करने का अर्थ गलत व्यवहार को स्वीकार करना नहीं, बल्कि कटुता से बाहर निकलने का प्रयास करना है। रिश्तों की मजबूती सम्मान, संवाद और संवेदनशीलता से बनती है।

दशहरे पर लोगों ने शस्त्र पूजन कर लिया धर्मरक्षा का संकल्प



यूनिक समय, मथुरा। विजयादशमी के पावन पर्व पर शहर में लोगों ने विधि-विधान से शस्त्र पूजन किया। बुराई पर अच्छाई और अधर्म पर धर्म की विजय के प्रतीक दशहरे पर शस्त्रों की पूजा कर शक्ति, साहस और पराक्रम का सम्मान किया गया। इस दौरान लोगों ने शस्त्रों पर तिलक लगाकर सुख-समृद्धि और विजय की कामना की।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, विजयादशमी पर शस्त्र पूजन करने की परंपरा धर्म की रक्षा और अन्याय के विरुद्ध खड़े होने का संदेश देती है। शस्त्रों को शक्ति और साहस का प्रतीक मानते हुए लोगों ने उनका पूजन किया। कई स्थानों पर अपने कार्य से जुड़े उपकरणों की पूजा भी की गई। मान्यता है कि शस्त्र पूजन से कार्यों में सफलता और विजय का आशीर्वाद मिलता है।

शस्त्र पूजन कर शक्ति के सदुपयोग का संदेश

शमी पूजन की परंपरा का भी विशेष महत्व

दशहरे पर शमी वृक्ष की पूजा करने की भी परंपरा है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, पांडवों ने अज्ञातवास के दौरान अपने शस्त्र शमी वृक्ष पर छिपाए थे। अज्ञातवास पूरा होने पर अर्जुन ने इन्हीं शस्त्रों को निकालकर युद्ध किया था। इसी प्रसंग के कारण शमी पूजन को विजय और सफलता से जोड़कर देखा जाता है। विजयादशमी पर लोगों ने पूजा-अर्चना के साथ धर्म की रक्षा और शक्ति के सदुपयोग का संकल्प लिया।

ग्रहों के राजकुमार बुध चलेंगे उल्टी चाल, चार राशि वाले रहें सावधान

यूनिक समय, मथुरा। ज्योतिषीय गणना के अनुसार, 24 अक्टूबर को बुध तुला राशि में वक्री होने जा रहे हैं। ज्योतिष शास्त्र में बुध को बुद्धि, वाणी, व्यापार और संवाद का कारक माना जाता है। ऐसे में बुध की उल्टी चाल को लेकर कुछ राशि के जातकों को कारोबार, आर्थिक फैसलों और निजी रिश्तों में सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। दिवाली से पहले बाजार में खरीदारी और व्यापारिक गतिविधियां बढ़ने के बीच लेनदेन, भुगतान और जरूरी दस्तावेजों की जांच करना उपयोगी रहेगा। हालांकि, ग्रहों की चाल से जीवन में होने वाले



प्रभावों की वैज्ञानिक पुष्टि नहीं हुई है।

मेष: साझेदारी में कोई भी फैसला जल्दबाजी में न लें। पुराने मतभेद उभरने पर गुस्से के बजाय

मेष, मिथुन, कन्या और तुला राशि के लिए ज्योतिषीय उपाय भी जानें

बुध के अशुभ प्रभाव से बचने के ज्योतिषीय उपाय

बातचीत से समाधान निकालने की कोशिश करें।

मिथुन: नौकरी और कारोबार में दस्तावेजों तथा

समझौतों को ध्यान से पढ़ें। पुरानी योजनाओं में बदलाव की जरूरत पड़े तो सोच-विचार कर कदम उठाएं।

कन्या: आर्थिक मामलों में अतिरिक्त सतर्कता बरतें। किसी को उधार देने या निवेश करने से पहले पूरी जानकारी जुटाएं। जरूरी संदेश और कागजात भेजते समय भी सावधानी रखें।

तुला: पुराने मामले दोबारा चर्चा में आ सकते हैं। नौकरी, व्यापार और पारिवारिक संबंधों से जुड़े बड़े फैसले लेने से पहले सभी पहलुओं पर विचार करें। गलतफहमियों को बढ़ने देने के बजाय बातचीत से सुलझाएं।

ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, बुध की वक्री चाल के दौरान भगवान गणेश की पूजा करना शुभ माना जाता है। बुधवार को गणेशजी को दूर्वा अर्पित करें और जरूरतमंदों को हरी मूंग या हरे वस्त्र दान करें। इसके अलावा 'ॐ बुं बुधाय नमः' मंत्र का 108 बार जाप करने की परंपरा है।

इस अवधि में वाणी पर संयम रखें, महत्वपूर्ण दस्तावेजों की दोबारा जांच करें और आर्थिक फैसले सोच-समझकर लें। ये उपाय धार्मिक आस्था पर आधारित हैं, किसी निश्चित परिणाम की गारंटी नहीं देते।



सम्पादकीय



रेलवे की थाली में मुनाफे का तड़का, जवाबदेही गायब

रेलवे में सफर का मतलब कभी सस्ती और सुविधाजनक यात्रा हुआ करता था। अब सफर के साथ भोजन का बिल भी ऐसा अनुभव देने लगा है, जिसमें स्वाद से ज्यादा मुनाफे का हिसाब नजर आता है। दस रुपये के चावल से सौ रुपये की बिरयानी बनाने का कथित कारोबार केवल महंगे खाने की कहानी नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का आईना है, जहां यात्रियों की भूख कारोबार बन गई और जिम्मेदारी ठेके की शर्तों में उलझ गई।

एक अखबार की पड़ताल में सामने आए दावे रेलवे की खानपान व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं। कथित तौर पर आईआरसीटीसी से लाइसेंस लेने वाली कंपनियां पेंटी का संचालन दूसरे लोगों को सौंप रही हैं। फिर ये लोग आगे किसी और को पेंटी किराये पर देते हैं। यानी ठेके की रेलगाड़ी में जिम्मेदारी की कई बोगियां जुड़ गईं, लेकिन जवाबदेही का इंजन कहीं पीछे छूट गया। नियम हस्तांतरण पर रोक लगाते हैं, मगर कथित कारोबार में नियमों से ज्यादा महत्व नकदी और किराये को मिलता दिखाई देता है।

विडंबना देखिए, यात्री ट्रेन में बैठकर उम्मीद करता है कि उसे साफ-सुथरा भोजन उचित कीमत पर मिलेगा। दूसरी तरफ, पेंटी चलाने वालों के कथित बयानों में रोजाना लाखों के किराये, भारी मार्जिन और शिकायतों के बावजूद कारोबार जारी रहने की तस्वीर उभरती है।

यदि आरोप सही हैं, तो व्यवस्था में शिकायतें नुकसान का कारण नहीं, बल्कि मुनाफे के हिसाब में शामिल एक मामूली खर्च बन गई हैं। ऐसी मानसिकता में यात्री की सेहत और संतुष्टि का स्थान आखिर कहाँ बचेगा? रेलवे की निगरानी व्यवस्था का उद्देश्य केवल लाइसेंस जारी करना, नोटिस भेजना और जुर्माना लगाना नहीं हो सकता।

असली कसौटी यह है कि पेंटी वास्तव में कौन चला रहा है, भोजन कहाँ से आ रहा है, सामग्री की गुणवत्ता कैसी है और निर्धारित कीमतों का पालन हो रहा है या नहीं। निरीक्षण यदि पहले से तय कार्यक्रम की औपचारिकता बन जाए, तो गड़बड़ियों पर रोक लगाना मुश्किल होगा। जरूरत है औचक जांच, पारदर्शी ठेका व्यवस्था, वास्तविक संचालकों की पहचान और दोषियों पर प्रभावी कार्रवाई की। खाद्य सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों के लिए जुर्माना कारोबार की लागत नहीं बनना चाहिए।

आखिर रेलवे यात्रियों को मंजिल तक पहुंचाने का माध्यम है, उनकी मजबूरी से मुनाफा कमाने का लाइसेंस नहीं। थाली में बिरयानी महंगी हो सकती है, लेकिन जवाबदेही इतनी सस्ती नहीं होनी चाहिए कि हर ठेकेदार उसे अगले ठेकेदार के हवाले कर दे।

बोध प्रकाश सगुणी

देश का युवा वर्ग किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत माना जाता है। उसकी ऊर्जा, प्रतिभा, शिक्षा और नवाचार की क्षमता देश को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकती है। लेकिन जब यही युवा हाथों में डिग्रियां लेकर रोजगार की तलाश में भटकने को मजबूर हों, तो यह केवल व्यक्तिगत परेशानी नहीं, बल्कि व्यवस्था के सामने खड़ा गंभीर सवाल बन जाता है। आज रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि शिक्षा हासिल करने के बाद भी उन्हें अपनी योग्यता के अनुरूप काम नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर डिग्रियों से भरे हाथों को रोजगार का भरोसा कब मिलेगा?

शिक्षा का उद्देश्य केवल प्रमाणपत्र हासिल करना नहीं, बल्कि व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाना और समाज के विकास में उसकी भागीदारी सुनिश्चित करना है। पिछले कुछ वर्षों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले युवाओं की संख्या बढ़ी है। छोटे शहरों और कस्बों तक कॉलेजों तथा विश्वविद्यालयों की पहुंच ने शिक्षा के अवसरों का विस्तार किया है। इसके बावजूद रोजगार के पर्याप्त अवसरों का अभाव एक बड़ी चिंता बना हुआ है। कई युवा स्नातक और स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी करने के बाद सरकारी नौकरियों की तैयारी में वर्षों लगा देते हैं। दूसरी ओर, निजी क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों पर अनुभव, तकनीकी कौशल और अपेक्षाकृत कम वेतन जैसी शर्तें उनकी राह कठिन बना देती हैं।

सरकारी नौकरी आज भी बड़ी संख्या में युवाओं के लिए आकर्षण का केंद्र है। इसके पीछे नियमित आय, सामाजिक सुरक्षा और भविष्य की स्थिरता जैसे कारण हैं। लेकिन विभिन्न भर्ती प्रक्रियाओं में रिक्तियों की सीमित संख्या, परीक्षा कार्यक्रम में बदलाव, परिणामों में देरी और नियुक्तियों की लंबी प्रक्रिया युवाओं की चिंता बढ़ाती है। किसी परीक्षा की तैयारी में कई वर्ष लगाने के बाद यदि भर्ती प्रक्रिया समय पर पूरी नहीं होती, तो युवा के सामने आर्थिक और मानसिक दबाव दोनों बढ़ जाते हैं।

भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता और समयबद्धता केवल प्रशासनिक जरूरत नहीं, बल्कि युवाओं के प्रति जवाबदेही का विषय भी है। परीक्षा कैलेंडर जारी करना, घोषित समयसीमा का पालन करना, परिणाम समय पर देना और चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र उपलब्ध कराना व्यवस्था की प्राथमिकताओं में शामिल होना चाहिए। यदि किसी अपरिहार्य कारण से प्रक्रिया में बदलाव करना पड़े, तो उसकी स्पष्ट जानकारी दी जानी चाहिए। अनिश्चितता कम होने से युवाओं को अपनी तैयारी और भविष्य की योजना बनाने में मदद मिलेगी। युवाओं के विरोध प्रदर्शनों में रोजगार और शिक्षा से जुड़े मुद्दों का प्रमुखता से उठना इसी असंतोष की ओर संकेत करता है। लोकतंत्र में अपनी मांगों को शांतिपूर्ण ढंग से सामने रखना नागरिकों का अधिकार है। ऐसे प्रदर्शनों को केवल विरोध के रूप में देखने के बजाय उनके पीछे मौजूद समस्याओं को समझना जरूरी है। सरकार, भर्ती संस्थाओं और नीति निर्माताओं को युवाओं की बात सुनकर व्यावहारिक समाधान तलाशने चाहिए। रोजगार की समस्या का समाधान केवल सरकारी पदों की संख्या बढ़ाने तक सीमित नहीं हो सकता। सरकारी नौकरियां महत्वपूर्ण हैं, लेकिन देश की पूरी युवा आबादी को रोजगार देने के लिए निजी क्षेत्र, लघु उद्योगों, सेवा क्षेत्र, कृषि आधारित उद्यमों और स्वरोजगार की संभावनाओं को भी मजबूत करना होगा। स्थानीय स्तर पर उद्योगों का विकास होने से छोटे शहरों के युवाओं को अपने घरों के आसपास अवसर मिल सकते हैं। इससे बड़े शहरों की ओर मजबूरी में होने वाला पलायन भी कम हो सकता है।

शिक्षा व्यवस्था और रोजगार बाजार के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करना भी



नजरिया



डिग्रियों का बोझ बढ़ा, रोजगार की राह अब भी मुश्किल



आवश्यक है। कई पाठ्यक्रम ऐसे कौशल विकसित करने में पर्याप्त मदद नहीं कर पाते, जिनकी मांग उद्योगों में है। इसलिए व्यावसायिक शिक्षा, तकनीकी प्रशिक्षण, इंटरनशिप और व्यावहारिक अनुभव को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। कॉलेजों में पढ़ाई के साथ रोजगारपरक कौशल विकसित करने की व्यवस्था होनी चाहिए, ताकि विद्यार्थी शिक्षा पूरी करते ही कामकाज की वास्तविक चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हों।

इसके साथ ही रोजगार के आंकड़ों को पारदर्शी बनाना जरूरी है। सरकार को नियमित रूप से यह जानकारी उपलब्ध करानी चाहिए कि विभिन्न क्षेत्रों में कितने रोजगार पैदा हुए, कितने पद खाली हैं और भर्ती प्रक्रियाओं की स्थिति क्या है। विश्वसनीय आंकड़ों के आधार पर ही योजनाओं की सफलता का आकलन किया जा सकता है। केवल घोषणाओं से युवाओं का भरोसा नहीं जीता जा सकता; उन्हें जमीन पर अवसर दिखाई देने चाहिए। उद्यमिता को प्रोत्साहित करना भी एक महत्वपूर्ण रास्ता है। हर युवा सरकारी नौकरी हासिल नहीं कर सकता और न ही हर व्यक्ति का भविष्य किसी एक परीक्षा के परिणाम पर निर्भर होना चाहिए। छोटे कारोबार, स्टार्टअप, डिजिटल सेवाओं और स्थानीय जरूरतों पर आधारित व्यवसायों के लिए आसान ऋण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाए। हालांकि, स्वरोजगार को बेरोजगारी का अकेला समाधान मानना उचित नहीं होगा। इसके लिए बाजार, पूंजी, बुनियादी सुविधाओं और कारोबार को टिकाऊ बनाने वाली नीतियों की भी जरूरत है। अंततः युवाओं को केवल धैर्य रखने की सलाह देना पर्याप्त नहीं है। उनसे उम्मीद की जाती है कि वे मेहनत करें, कौशल सीखें और देश के विकास में योगदान दें। बदले में व्यवस्था की जिम्मेदारी है कि उन्हें निष्पक्ष अवसर, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और समय पर रोजगार की संभावनाएं उपलब्ध कराए। रोजगार केवल आमदनी का साधन नहीं, बल्कि आत्मसम्मान, स्वतंत्रता और सामाजिक सुरक्षा से भी जुड़ा है। देश की प्रगति का वास्तविक आकलन इस बात से होगा कि उसकी युवा आबादी अपनी क्षमता का कितना उपयोग कर पा रही है। डिग्रियां बांटना उपलब्धि हो सकती है, लेकिन उन डिग्रियों को सार्थक रोजगार से जोड़ना उससे भी बड़ी जिम्मेदारी है। अब जरूरत है कि रोजगार नीति घोषणाओं से आगे बढ़कर ठोस परिणाम दे। युवाओं को आश्वासन नहीं, अवसर चाहिए, अनिश्चितता नहीं, पारदर्शी व्यवस्था चाहिए। जब शिक्षा के बाद रोजगार की राह आसान और भरोसेमंद बनेगी, तभी युवा शक्ति वास्तव में राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी ताकत बन सकेगी।

विचार विंडो

राम प्रकाश अग्रवाल

भारत में डिजिटल भुगतान अब केवल तकनीकी सुविधा नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था और आम जनजीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। सब्जी खरीदने से लेकर बड़े कारोबारी लेन-देन तक यूपीआई ने भुगतान को तेज, सरल और सुविधाजनक बनाया है। इससे नकदी पर निर्भरता कम हुई है, लेन-देन में पारदर्शिता बढ़ी है और लोगों को बैंकिंग सेवाओं तक पहुंचने का आसान माध्यम मिला है। लेकिन डिजिटल भुगतान की इस सफलता के बीच एक अहम सवाल है कि इसे संचालित करने वाली व्यवस्था की लागत कौन उठाएगा?

डिजिटल भुगतान के विस्तार में सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक, बैंकों और भुगतान सेवा प्रदाताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इस व्यवस्था को सुरक्षित और सुचारु बनाए रखने के लिए तकनीकी ढांचे, सर्वर, नेटवर्क, साइबर सुरक्षा और शिकायत निवारण पर लगातार खर्च करना पड़ता है। इसलिए डिजिटल भुगतान को पूरी तरह लागत-मुक्त मानना व्यावहारिक नहीं है। असली चुनौती इस खर्च को न्यायसंगत तरीके से बांटने की है। जिस व्यवस्था से व्यापक आर्थिक लाभ मिल रहा है, उसकी लागत उठाने की जिम्मेदारी भी सभी संबंधित पक्षों की होनी चाहिए। छोटे दुकानदार और कारोबारी

डिजिटल भुगतान व्यवस्था के महत्वपूर्ण भागीदार हैं। उन्होंने ग्राहकों की सुविधा के लिए क्यूआर कोड और मोबाइल भुगतान जैसे विकल्प अपनाए हैं। इसके बावजूद उनकी आर्थिक स्थिति बड़े कारोबारियों से अलग होती है। सीमित मुनाफे पर चलने वाली दुकानों के लिए अतिरिक्त शुल्क भी परेशानी बढ़ा सकता है। यदि डिजिटल भुगतान महंगा पड़ने लगे, तो व्यापारी इसके इस्तेमाल को सीमित करने के बारे में सोच सकते हैं। इसलिए किसी भी शुल्क व्यवस्था में छोटे कारोबारियों की क्षमता और जरूरतों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

डिजिटल भुगतान की लागत पर चर्चा करते समय विभिन्न माध्यमों के बीच अंतर समझना आवश्यक है। भारत में पात्र बैंक खातों के बीच सामान्य यूपीआई भुगतानों पर जीरो मर्चेन्ट डिस्काउंट रेट यानी एमडीआर की व्यवस्था लागू है। दूसरी ओर, कार्ड भुगतान और अन्य भुगतान सेवाओं की शुल्क संरचना अलग हो सकती है। इसलिए सभी डिजिटल लेन-देन को एक ही श्रेणी में रखकर नीति बनाना उचित नहीं होगा। सरकार और नियामक संस्थानों को भुगतान के प्रत्येक माध्यम की लागत, लाभ और शुल्क व्यवस्था का अलग-अलग आकलन करना चाहिए, ताकि नियम स्पष्ट और व्यावहारिक बन सकें। बैंकिंग सेवाओं के डिजिटलीकरण से



लेन-देन का रिकॉर्ड रखने, भुगतान की निगरानी करने और ग्राहकों को सेवाएं उपलब्ध कराने में कई सुविधाएं मिली हैं। डिजिटल प्रक्रिया से कुछ परिचालन लागतों को कम करने की संभावनाएं भी बढ़ी हैं। ऐसे में यह उचित है कि बैंकों और वित्तीय संस्थानों की वास्तविक बचत तथा डिजिटल भुगतान से मिलने वाले लाभों का आकलन किया जाए। जहां संभव हो, इन लाभों का हिस्सा भुगतान व्यवस्था को सुरक्षित और सुलभ बनाने में लगाया जाना चाहिए। हालांकि, यह जिम्मेदारी अनुमान के बजाय पारदर्शी आंकड़ों और वास्तविक लागत के आधार पर तय होनी चाहिए।

डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार की नीतियां और रिजर्व बैंक का नियामकीय मार्गदर्शन महत्वपूर्ण हैं। सरकार वित्तीय सहायता और प्रोत्साहन के माध्यम से व्यवस्था को मजबूत कर सकती है, जबकि रिजर्व बैंक शुल्क, सुरक्षा और उपभोक्ता हितों

से जुड़े नियमों की निगरानी कर सकता है। भुगतान सेवा प्रदाताओं को भी तकनीकी संचालन और सुरक्षा में अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। जरूरत इस बात की है कि इन सभी पक्षों के योगदान और दायित्व स्पष्ट हों। सार्वजनिक धन से दी जाने वाली सहायता का उद्देश्य भी पारदर्शिता, समावेशिता और दीर्घकालीन स्थिरता सुनिश्चित करना होना चाहिए।

डिजिटल भुगतान का विस्तार केवल तकनीक उपलब्ध कराने से नहीं होगा। इसके लिए ग्राहकों और व्यापारियों का भरोसा बनाए रखना भी जरूरी है। यदि भुगतान प्रक्रिया महंगी, जटिल या असुरक्षित महसूस होने लगे, तो लोग नकदी को प्राथमिकता दे सकते हैं। नकदी का महत्व अपनी जगह है, लेकिन डिजिटल भुगतान से मिलने वाली सुविधा और लेन-देन के रिकॉर्ड के लाभ भी महत्वपूर्ण हैं। इसलिए भुगतान व्यवस्था में शुल्क संबंधी नियम स्पष्ट होने चाहिए और छोटे कारोबारियों को तकनीकी सहायता मिलनी चाहिए। किसी बड़े बदलाव से पहले व्यापारियों, बैंकों और उपभोक्ताओं से परामर्श करना भी आवश्यक है। डिजिटल भुगतान की लागत पर बहस केवल शुल्क तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। साइबर धोखाधड़ी से बचाव, तकनीकी खामियों को दूर करना और शिकायतों का समय पर समाधान भी उतने ही

महत्वपूर्ण हैं। भुगतान प्रणाली पर लोगों का विश्वास तभी मजबूत होगा, जब उनकी रकम और निजी जानकारी सुरक्षित रहेगी। इसके लिए बैंकों तथा भुगतान सेवा प्रदाताओं को सुरक्षा व्यवस्था में लगातार निवेश करना होगा। साथ ही ग्राहकों को धोखाधड़ी से बचने के लिए जागरूक किया जाना चाहिए और शिकायतों के निपटारे की प्रक्रिया सरल बनाई जानी चाहिए। ऐसी व्यवस्था ही डिजिटल भुगतान को टिकाऊ बना सकती है।

भारत में डिजिटल भुगतान की सफलता को बनाए रखने के लिए किसी एक पक्ष पर लागत का पूरा बोझ डालना उचित नहीं होगा। सरकार, रिजर्व बैंक, बैंक और भुगतान सेवा प्रदाताओं को मिलकर ऐसा मॉडल तैयार करना चाहिए, जिसमें खर्च और लाभ के बीच संतुलन हो। इसके लिए वास्तविक लागत का स्वतंत्र आकलन, पारदर्शी नियम और छोटे व्यापारियों के हितों की सुरक्षा जरूरी है। डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने का लक्ष्य केवल लेन-देन की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि सुरक्षित, सुलभ और भरोसेमंद व्यवस्था विकसित करना होना चाहिए। तकनीक पर होने वाले खर्च को साझा निवेश मानकर ही भारत अपनी डिजिटल अर्थव्यवस्था को अधिक समावेशी और मजबूत बना सकता है।

दीप्ति जीवनजी ने एशियन पैरा गेम्स में गोल्ड जीतकर बनाया रिकॉर्ड

एशियन पैरा गेम्स में 400 मीटर टी20 रेस में 56.36 सेकंड का समय निकालकर जीता स्वर्ण

भाविना पटेल ने भी दिलाया कांस्य पदक

यूनिक समय, नई दिल्ली। एशियन पैरा गेम्स 2026 में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। 20 अक्टूबर को भारतीय पैरा एथलीट दीप्ति जीवनजी ने महिलाओं की 400 मीटर टी20 स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीतकर देश का नाम रेशन किया। उन्होंने 56.36 सेकंड में रेस पूरी कर न केवल पहला स्थान हासिल किया, बल्कि नया गेम्स रिकॉर्ड भी बनाया। यह प्रतियोगिता में भारत का



पांचवां स्वर्ण पदक है और दूसरे दिन देश को मिला पहला गोल्ड मेडल भी है। पेरिस पैरालंपिक 2024 की कांस्य पदक विजेता दीप्ति ने शुरुआत से ही अपनी बढ़त बनाए रखी और शानदार प्रदर्शन के दम पर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। जापान की नीना कानो ने 58.92 सेकंड के समय के साथ रजत पदक जीता, जबकि उनकी हमवतन अकाने काटो 1

मिनट 0.26 सेकंड में रेस पूरी कर कांस्य पदक जीतने में सफल रही। दीप्ति की इस उपलब्धि से भारतीय दल का उत्साह बढ़ा है। भारतीय पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी भाविना पटेल ने भी देश के पदक खाते में कांस्य पदक जोड़ा। महिला एकल क्लास 4-5 स्पर्धा के सेमीफाइनल में उन्हें चीन की झांग बियान के खिलाफ 0-3 से हार का सामना

दलेर मेहंदी के बचाव में उतरे मीका सिंह, बोले-गाना छोड़ दूंगा



उत्तराखंड के स्टेज शो में शराब पीने के आरोपों पर भड़के मीका

कहा-बिना सबूत ऐसी बातें फैलाना गलत

यूनिक समय, नई दिल्ली। दलेर मेहंदी इन दिनों उत्तराखंड में एक स्टेज शो को लेकर चर्चा में हैं। शो के दौरान उनके ठीक से गाना नहीं गा पाने पर नरेंद्रनगर के विधायक सुबोध उनियाल ने नाराजगी जताई थी। उन्होंने मंच पर पहुंचकर दलेर मेहंदी पर शराब के नशे में होने का आरोप लगाया। घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद अब उनके भाई और मशहूर सिंगर मीका सिंह ने उनका



बचाव किया है। मीका ने इंस्टाग्राम पर वीडियो साझा कर कहा कि दलेर मेहंदी पिछले 30 साल से सुपरस्टार हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या किसी ने कभी दलेर को शराब पीते हुए देखा है? मीका के मुताबिक, बिना देखे उनके नशे में होने की बात कहना गलत है। उन्होंने बताया कि कलाकार कई बार खराब तबीयत के बावजूद अपना वादा निभाने के लिए कार्यक्रम में पहुंचते हैं। मीका ने यह भी कहा कि दलेर मेहंदी की हाल ही में बड़ी सर्जरी हुई है, इसलिए संभव है कि उनकी तबीयत ठीक न रही हो। आरोपों पर नाराजगी जताते हुए मीका ने चुनौती दी कि अगर कोई व्यक्ति दलेर को शराब पीते हुए देखने का दावा कर दे, तो वह गाना छोड़ देंगे। उन्होंने लोगों से बिना सबूत आरोप लगाने से बचने की अपील की।

ईशान किशन को प्रमोशन, मानव सुथार को झटका

न्यूजीलैंड दौरे के लिए टीम इंडिया का ऐलान

जायसवाल और जडेजा वनडे टीम से बाहर अंशुल कंबोज-नमन धीर को दो प्रारूपों में मौका

यूनिक समय, नई दिल्ली। न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारतीय टीम के चयन में कई अहम फैसले सामने आए हैं। ईशान किशन को आखिरी दो वनडे के लिए उपकप्तान बनाया गया है, जबकि अंशुल कंबोज और नमन धीर को वनडे और टेस्ट टीम में जगह मिली है। दूसरी ओर, यशस्वी जायसवाल और रवींद्र जडेजा को वनडे टीम में शामिल नहीं किया गया।



तीन टेस्ट में 23 विकेट लेने वाले मानव सुथार को भी सीनियर टेस्ट टीम में जगह नहीं मिली। ईशान किशन ने हालिया घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है। दलीप ट्रॉफी के फाइनल में दोहरा शतक लगाने के बाद उनकी दावेदारी मजबूत हुई। अब उन्हें वनडे में अतिरिक्त जिम्मेदारी

मिली है, जो टीम प्रबंधन के भरोसे का संकेत है। अंशुल कंबोज को दोनों प्रारूपों में मौका देकर चयनकर्ताओं ने तेज गेंदबाजी के विकल्प बढ़ाए हैं। वहीं, नमन धीर बल्लेबाजी के साथ ऑफ स्पिन गेंदबाजी भी कर सकते हैं। उनके लिए यह दौरा अपनी उपयोगिता साबित करने का अवसर

करना पड़ा। झांग ने 11-7, 11-5 और 11-7 से मुकाबला जीतकर फाइनल में जगह बनाई। टोक्यो पैरालंपिक 2020 में रजत पदक जीत चुकी भाविना को सेमीफाइनल में हार के बावजूद कांस्य पदक मिला। वहीं, पैरा बैडमिंटन में प्रमोद भगत और मनीषा रामदास की भारतीय मिश्रित जोड़ी ने एसएल3-एसयू5 वर्ग के क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड की जोड़ी को 21-15, 21-14 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इसके साथ ही उनका कम से कम कांस्य पदक जीतना पक्का हो गया है। तीरंदाजी में भी भारतीय खिलाड़ियों ने दम दिखाया। हरविंदर सिंह और भावना ने रिकर्व वर्ग के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जबकि कंपाउंड वर्ग में शीतल देवी, पायल नाग, तोमन कुमार और श्याम सुंदर स्वामी ने अंतिम आठ में प्रवेश किया।

‘दृश्यम’ के गायतोंडे को चप्पल से मारना चाहती थी महिला

कमलेश सावंत ने सुनाया फिल्म से जुड़ा किस्सा

पत्नी ने समझाया-लोग आपसे नहीं, आपके किरदार से नाराज हैं

यूनिक समय, नई दिल्ली। फिल्म ‘दृश्यम’ में इंसपेक्टर गायतोंडे का किरदार निभाकर मशहूर हुए अभिनेता कमलेश सावंत ने फिल्म से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा साझा किया है। उन्होंने बताया कि पर्दे पर उनके सख्त अंदाज से दर्शक इतने नाराज हो गए थे कि एक महिला ने उन्हें चप्पल से मारने तक की बात कह दी थी। उस समय उनकी पत्नी ने उन्हें समझाकर स्थिति संभाली। अमर उजाला से बातचीत में कमलेश ने बताया कि फिल्म के लिए ऑडिशन देने के करीब 12 दिन बाद उन्हें चुने जाने की जानकारी मिली थी। शूटिंग से पहले उन्हें करीब 290 पन्नों की स्क्रिप्ट मिली, लेकिन समय कम होने के कारण उन्होंने अपने किरदार गायतोंडे के लगभग 90 पन्नों के दृश्य पढ़े।



आभनता क मुताबक, 1फिल्म 1रलाज होने के बाद एक महिला ने उनसे कहा कि वह चप्पल से उनका मुंह फोड़ना चाहती है। इससे वह घबरा गए और वहां से निकलने की सोचने लगे। तब उनकी पत्नी ने समझाया कि दर्शक कमलेश से नहीं, बल्कि उनके निभाए किरदार से नाराज हैं। कमलेश ने यह भी बताया कि एक छोटी बच्ची ने उन्हें मैसेज करके कहा था कि वह असल जिंदगी में बच्चों को नहीं मार सकते। इस बात ने उन्हें भावुक कर दिया। अभिनेता का कहना है कि ‘दृश्यम’ ने उनकी पहचान बढ़ाई और अब उन्हें अपने काम के लिए बेहतर मेहनताना मांगने का मौका मिलता है।

टाइगर श्रॉफ को मिली पुलिस सुरक्षा फायरिंग के बाद बढ़ी सतर्कता

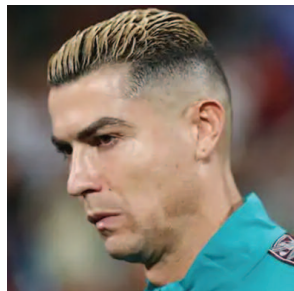
फायरिंग केस में दो और लोग हिरासत में रैपिडो ने कहा-घटना वाले दिन आरोपी ने ग्राहक बनकर ली थी सेवा

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग की घटना के बाद मुंबई पुलिस ने उनकी सुरक्षा बढ़ा दी है। पुलिस की प्रोटेक्शन ब्रांच ने उनके लिए बॉडीगार्ड तैनात किए हैं। इसके अलावा स्थानीय पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी और अतिरिक्त जवानों को भी सुरक्षा में लगाया गया है। घटना के बाद पुलिस मामले की जांच में जुटी है। दैनिक भास्कर की रिपोर्ट के मुताबिक, हरियाणा के सोनीपत निवासी रेहान की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसके दो दोस्तों समीर और बोनी को भी हिरासत में लिया है। हालांकि, सोनीपत पुलिस ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। इससे पहले इस मामले में तीन आरोपियों



को राजस्थान के कोट रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया गया था। बताया गया कि वे नेपाल भागने की तैयारी कर रहे थे। इस बीच, बाइक टैक्सी सेवा देने वाली कंपनी रैपिडो ने आरोपी त्रुटिक को लेकर सफाई दी है। कंपनी के मुताबिक, संबंधित व्यक्ति 14 अक्टूबर से उसके प्लेटफॉर्म पर सक्रिय नहीं था। घटना वाले दिन उसने रैपिडो की सेवा ग्राहक के तौर पर ली थी। कंपनी ने कहा कि वह हिंसा और आपराधिक गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं करती और जांच एजेंसियों को जरूरी जानकारी दे रही है। घटना पर अभिनेता सुनील शेट्टी ने भी चिंता जताई। उन्होंने टाइगर के सुरक्षित होने पर राहत व्यक्त की और कहा कि ऐसी घटना किसी के साथ भी नहीं होनी चाहिए थी। रिपोर्ट के अनुसार, फायरिंग की घटना में टाइगर के ड्राइवर को चोट लगी थी और वह ठीक हो रहे हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रोनाल्डो पर 30 दिन का बैन लगाकर किया जुर्माना



पुर्तगाल के ट्रेनिंग कैंप छोड़ने पर फुटबॉल फेडरेशन की कार्रवाई

14 नवंबर को कर सकेंगे वापसी

यूनिक समय, नई दिल्ली। पुर्तगाली फुटबॉल फेडरेशन ने दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो पर 30 दिन का प्रतिबंध लगाया है। इसके अलावा उन पर 255 यूरो यानी करीब 27 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। यह कार्रवाई हालिया इंटरनेशनल ब्रेक के दौरान पुर्तगाल का ट्रेनिंग कैंप छोड़ने के मामले में की गई है। प्रतिबंध 30 सितंबर से लागू माना गया है, ऐसे में

रोनाल्डो 14 नवंबर को पुर्तगाल के अगले इंटरनेशनल मैच से वापसी कर सकेंगे। मामले की शुरुआत सितंबर में नॉर्वे के खिलाफ मुकाबले के दौरान हुई थी। पुर्तगाल ने यह मैच 2-1 से जीता था, लेकिन रोनाल्डो को मैदान पर उतरने का मौका नहीं मिला। रिपोर्ट के मुताबिक, रोनाल्डो को उम्मीद थी कि कोच जॉर्ज जीसस उन्हें करीब 30 मिनट खेलने का मौका देंगे। हालांकि, वॉर्म-अप कराने के बावजूद उन्हें मैदान पर नहीं उतारा गया, जिससे वह नाराज हो गए। इसके बाद तनाव बढ़ने पर रोनाल्डो ने डेनमार्क के खिलाफ मैच से पहले टीम का ट्रेनिंग कैंप छोड़ दिया था। बाद में उन्होंने अपने साथियों और समर्थकों से माफी मांगते हुए कहा कि राष्ट्रीय टीम छोड़ने के लिए उन्हें सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने अपने फैसले की जिम्मेदारी भी स्वीकार की। पुर्तगाली फुटबॉल फेडरेशन ने 10 अक्टूबर को उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करने की जानकारी दी थी। अब प्रतिबंध और जुर्माने का फैसला सामने आया है। 41 वर्षीय रोनाल्डो सऊदी अरब के क्लब अल-नस्र के लिए भी खेलते हैं।

सोनू निगम ने कन्नड़ लोगों से मांगी माफी

पहलगाम हमले से जुड़े विवादित बयान पर हुआ था बवाल

बेंगलुरु में कॉन्सर्ट से पहले सिंगर ने दी सफाई

यूनिक समय, नई दिल्ली। गायक सोनू निगम ने पुराने बयान को लेकर कर्नाटक के लोगों से माफी मांगी है। उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह कहते हैं कि रिश्ते बनाए रखने के लिए वह 1000 बार भी माफी मांगने को तैयार है। दरअसल, मई 2025 में बेंगलुरु में एक कॉन्सर्ट के दौरान कुछ लोगों



ने उनसे बार-बार कन्नड़ गाना गाने की मांग की थी। इस पर सोनू ने नाराजगी जताते हुए पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र कर दिया था, जिसके बाद विवाद बढ़ गया और उनके खिलाफ शिकायत दर्ज हुई थी। अब बेंगलुरु में आगामी कॉन्सर्ट से पहले कन्नड़ संगठन के अध्यक्ष टीए नारायण गौड़ ने उनसे माफी की मांग की थी। सोनू ने बातचीत के दौरान खेद जताते हुए कहा कि वह कन्नड़ लोगों के प्यार और सम्मान की कद्र करते हैं। नारायण गौड़ ने माफी स्वीकार करते हुए विरोध खत्म करने की बात कही।

घरेलू कलह में दो बच्चों के साथ कुएं में कूदी महिला, मां-बेटे की मौत

यूनिक समय, ललितपुर। उत्तर प्रदेश के ललितपुर जिले के बानपुर थाना क्षेत्र के टीकरा तिवारी गांव में मंगलवार सुबह दुखद घटना सामने आई। यहां 32 वर्षीय पूजा कुशवाहा अपने दो बच्चों के साथ कुएं में गिर गईं। घटना में महिला और उनके सात वर्षीय बेटे लक्ष्म की मौत हो गई, जबकि पांच वर्षीय बेटी पूर्वी की तलाश जारी है।

जानकारी के मुताबिक, पूजा अपने पति बालकिशन कुशवाहा के साथ रहती थीं। मंगलवार सुबह वह अपने बेटे लक्ष्म और बेटी पूर्वी को लेकर घर से निकलीं। कुछ दूरी पर स्थित कुएं में तीनों के गिरने की सूचना मिलने पर



परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। उन्होंने पुलिस को घटना की जानकारी दी।

पुलिस टीम ने ग्रामीणों की मदद से

बचाव अभियान शुरू किया। प्रयासों के दौरान पूजा और उनके बेटे के शव कुएं से बरामद कर लिए गए। वहीं, बच्ची पूर्वी को खोजने का अभियान

पुलिस और ग्रामीणों ने शुरू किया बचाव अभियान, बेटी की तलाश जारी

जारी है। बताया गया कि कुएं में करीब 20 से 25 फुट तक पानी भरा है। बच्ची की तलाश के लिए इंजन की मदद से पानी निकालने का प्रयास किया जा रहा है।

पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना के पीछे घरेलू कलह की बात सामने आई है, हालांकि इसके कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही होगी।

विजयादशमी पर आगरा में टैंक का पूजन तिरंगा फहराकर सेना को किया नमन



यूनिक समय, आगरा। आगरा में विजयादशमी के अवसर पर अखिल भारत हिंदू महासभा ने नामनेर चौराहे पर स्थापित भारतीय सेना के टैंक और तोप का पूजन किया। संगठन की जिला अध्यक्ष मीरा राठौर के नेतृत्व में हुए कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने टैंक पर तिरंगा फहराया और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की।

कार्यक्रम के दौरान मीरा राठौर ने टैंक पर कलावा बांधा और आरती उतारी। इस मौके पर संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने भारत माता की जय, वीर सपूतों की जय और भारतीय सेना की जय के नारे लगाए। कार्यक्रम का वीडियो भी सामने आया है। मीरा राठौर और संगठन के वरिष्ठ नेता अवतार सिंह गिल ने कहा कि विजयादशमी असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक है। इस दिन शत्रु

नामनेर चौराहे पर हिंदू महासभा ने टैंक की आरती उतारी

कारगिल शहीदों को किया याद, भारत माता के जयकारे लगाए

पूजन की परंपरा निभाई जाती है। उन्होंने टैंक को भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम का प्रतीक बताते हुए कारगिल युद्ध के शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ हिंदू नेता शंकर श्रीवास्तव ने किया। इस दौरान नीतू ठाकुर, डॉली कुशवाहा, सौरभ शर्मा सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

यूपी में 7.57 लाख करोड़ का निवेश रोजगार के नए अवसर खुलेंगे

नवंबर में जीबीसी 5.0 के तहत 6,972 परियोजनाओं का भूमि पूजन

सेवा क्षेत्र में सबसे बड़ा निवेश, डेटा सेंटर को मिलेगा प्रोत्साहन

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में नवंबर के अंत तक प्रस्तावित ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी) 5.0 में 6,972 परियोजनाओं के जरिए करीब 7.57 लाख करोड़ रुपये के निवेश की तैयारी है। इससे प्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों को गति मिलने और रोजगार के नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

निवेश प्रस्तावों में सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी सबसे अधिक करीब 3.40 लाख करोड़ रुपये है। विनिर्माण क्षेत्र में 2.79 लाख करोड़ और बुनियादी ढांचे में 1.44 लाख करोड़ रुपये के निवेश का अनुमान है। सेवा क्षेत्र में डेटा सेंटर, पर्यटन, शिक्षा, वित्तीय सेवाएं और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर शामिल हैं।



प्रदेश में डेटा सेंटर क्षेत्र में करीब 1.80 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव सामने आए हैं। ऊर्जा क्षेत्र में 1.15 लाख करोड़ और रियल एस्टेट में 75 हजार करोड़ रुपये के प्रस्ताव शामिल हैं।

राज्य की डेटा सेंटर नीति-2026 के तहत पात्र निवेशकों को ब्याज उपादान और अतिरिक्त प्रोत्साहन मिल सकते हैं। एआई कंप्यूटिंग क्षमता तथा हरित संचालन की निर्धारित शर्तें पूरी करने पर इसकी अधिकतम सीमा 70 करोड़ रुपये तक हो सकती है। सरकार को उम्मीद है कि निवेश से डिजिटल सेवाओं, उद्योग और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

श्रद्धा दुबे केस पर अखिलेश का हमला, सरकार से पूछे सवाल

शिवा शर्मा की मौत मामले में गिरफ्तारी न होने पर उठाए सवाल

बोले-सामान्य मामला नहीं, नामचीन और रसूखदार लोगों की भूमिका की आशंका

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ के कारोबारी शिवा शर्मा की मौत के मामले में आरोपी मॉडल श्रद्धा दुबे की गिरफ्तारी नहीं होने पर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को प्रदेश सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि यह सामान्य मामला नहीं है और इसमें नामचीन तथा रसूखदार लोगों के शामिल होने की आशंका है।

सपा मुख्यालय में मीडिया से बातचीत के दौरान अखिलेश यादव ने सवाल किया कि कारोबारी की मौत के इतने दिन बाद भी श्रद्धा दुबे की



गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई। उन्होंने मामले को गंभीर बताते हुए कहा कि यह प्रकरण सरकार के लिए बड़ी चुनौती बन सकता है। उनके बयान से मामले के कथित हाईप्रोफाइल कनेक्शन को लेकर राजनीतिक बहस तेज हो गई है।

अखिलेश यादव ने इस मामले की तुलना कानपुर के बिकरू कांड से भी की।

उन्होंने सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि उस समय भी सरकार को पलटने से बचाया गया था। उधर, श्रद्धा दुबे का एक वीडियो और कारोबारी को धमकाने से जुड़ा कथित ऑडियो पहले चर्चा में आया था। मामले में पुलिस की जांच और आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर आगे की कार्रवाई पर निगाहें बनी हुई हैं।

अलीगढ़ में मकान विवाद में पिता से मारपीट, बेटे-बहू पर एफआईआर



यूनिक समय, अलीगढ़। अलीगढ़ के बन्नादेवी थाना क्षेत्र में तीन मंजिला मकान के विवाद को लेकर 70 वर्षीय बुजुर्ग ने अपने बड़े बेटे, बहू और नाती के खिलाफ मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने एसएसपी के निर्देश पर एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मोहन नगर की लोधी राजपूत कॉलोनी, सारसौल निवासी भगवती का आरोप है कि उनके बेटे भूपेंद्र और बहू सुनीता ने 5 फरवरी 2024 को कथित रूप से नशीला पदार्थ खिलाकर उनके मकान का दानपत्र करा लिया था। इसे निरस्त करने और स्थायी निषेधाज्ञा के लिए उन्होंने अदालत में मुकदमा दायर किया है, जो विचाराधीन है।

भगवती के मुताबिक, 19 सितंबर 2026 को अदालत जाते समय बेटे ने

70 वर्षीय पिता ने बेटे, बहू और नाती पर लगाए आरोप

अदालत जाते समय धमकी देने का दावा, एसएसपी के निर्देश पर कार्रवाई

मारपीट और धमकी का आरोप, पुलिस ने शुरू की जांच

फोन पर गाली-गलौज कर धमकी दी। आरोप है कि 15 अक्टूबर को मकान पर पहुंचने पर भूपेंद्र, सुनीता और गौरव ने उनके साथ मारपीट की और धमकाया। थाने में सुनवाई नहीं होने पर उन्होंने एसएसपी से शिकायत की।

पुलिस ने तीनों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच उपनिरीक्षक रवींद्र यादव को सौंपी है।

एमबीबीएस छात्रा की मौत, हॉस्टल में मिला शव

यूनिक समय, मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर के मंसूरपुर थाना क्षेत्र स्थित निजी मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल में सोमवार शाम 23 वर्षीय टाइडर छात्रा शगुन सैनी मृत मिली। हरियाणा के कैथल निवासी शगुन फाइनल ईयर में पढ़ रही थीं। उनके माता-पिता सरकारी शिक्षक हैं और भाई भी एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहा है।

पुलिस के मुताबिक, रात करीब साढ़े आठ बजे रूम पार्टनर लौटी तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। आवाज देने पर जवाब नहीं मिलने के बाद अन्य छात्राओं ने रोशनदान से देखा और कॉलेज प्रशासन को सूचना दी। पुलिस ने दरवाजा खुलवाकर छात्रा को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

एसएसपी सूरज कुमार राय के अनुसार, छात्रा के किसी दोस्त से विवाद की बात सामने आई है। पुलिस उसके मोबाइल और साथियों से मिली जानकारी के आधार पर जांच कर रही है। कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। दस नंबर बन गया है।

गोरखपुर में योगी ने की पूजा तो आगरा में संघ का पथ संचलन



यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विजयादशमी का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। गोरखपुर से कानपुर और आगरा से वाराणसी तक धार्मिक अनुष्ठानों, शोभायात्राओं और पारंपरिक आयोजनों की धूम रही। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में गोरक्षपीठाधीश्वर के रूप में विशेष पूजा-अर्चना की। वहीं, आगरा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के स्वयंसेवकों ने पथसंचलन निकाला। कानपुर में दशानन मंदिर के पट खुलने पर श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। गोरखपुर

कानपुर में साल में एक दिन खुला रावण मंदिर, वाराणसी में महिलाओं ने खेला सिंदूर

झांसी में मां काली की विसर्जन यात्रा, अयोध्या में 300 से अधिक स्वयंसेवकों ने निकाला मार्च

स्थित गोरखनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दो घंटे से अधिक समय तक पारंपरिक विधि-विधान से पूजा की। उन्होंने महायोगी गोरखनाथ



को जौ का ज्वारा अर्पित किया और आरती उतारी। इसके बाद अखंड ज्योति, देव विग्रहों, अखंड धूना और यज्ञशाला सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों का पूजन किया। योगी ने प्रदेशवासियों को विजयादशमी की शुभकामनाएं भी दीं। कानपुर के शिवाला स्थित दशानन मंदिर के पट विजयादशमी पर खुले। यहां श्रद्धालु रावण के दर्शन और पूजन के लिए पहुंचे। मंदिर साल में इसी विशेष अवसर पर खुलने के लिए जाना जाता है। आगरा में आरएसएस ने 72 स्थानों पर पथसंचलन आयोजित किया। स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में दंड लेकर

घोष की धुन पर कदमताल करते हुए निकले। लोगों ने कई जगह पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया। अयोध्या में भी 300 से अधिक स्वयंसेवकों ने पथसंचलन में भाग लिया। उधर, वाराणसी में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन से पहले बंगाली महिलाओं ने सिंदूर खेलकर विजयादशमी की शुभकामनाएं दीं। मुरादाबाद में महिलाओं ने धनुची नृत्य प्रस्तुत किया। झांसी में मां काली की विसर्जन यात्रा जयकारों के बीच निकली। इस तरह प्रदेशभर में दशहरा धार्मिक आस्था, परंपरा और उत्सव के रंगों के साथ मनाया गया।

दिल्ली में प्रदूषण पर बड़ा एक्शन, बिना पीयूसी नहीं मिलेगा पेट्रोल-डीजल

सर्दियों से पहले प्रदूषण नियंत्रण की तैयारी तेज

बाहरी राज्यों से आने वाली गाड़ियों पर भी रहेगी नजर

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली में सर्दियों के दौरान बढ़ने वाले वायु प्रदूषण से निपटने के लिए सरकार ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में प्रदूषण पर नियंत्रण पाने के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की जा रही है। इस बार सरकार का जोर केवल प्रदूषण बढ़ने के बाद कार्रवाई करने पर नहीं, बल्कि पहले से ही ऐसे कदम उठाने पर है, जिससे हवा की गुणवत्ता को



खराब होने से रोका जा सके। इसी कड़ी में वाहनों से होने वाले प्रदूषण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र यानी पीयूसी के बिना वाहनों को पेट्रोल-डीजल नहीं देने जैसे कदम पर जोर दिया जा रहा है। इसका उद्देश्य सड़कों पर ऐसे वाहनों की संख्या कम करना है, जो

निर्धारित प्रदूषण मानकों का पालन नहीं करते। वाहन चालकों को अपने वाहनों की प्रदूषण जांच समय पर कराने और वैध प्रमाणपत्र रखने की जरूरत होगी। हालांकि, इस व्यवस्था के लागू होने से संबंधित अंतिम नियमों और दिशा-निर्देशों की पुष्टि आधिकारिक घोषणा से की जानी चाहिए। दिल्ली में दूसरे राज्यों

से आने वाले वाहनों पर भी निगरानी बढ़ाने की तैयारी है।

राजधानी में प्रतिदिन बड़ी संख्या में बाहरी राज्यों की गाड़ियां प्रवेश करती हैं। ऐसे में वाहनों से निकलने वाला धुआं प्रदूषण की समस्या को और गंभीर बना सकता है। सरकार की योजना में इन वाहनों की जांच, प्रदूषण मानकों के अनुपालन और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई जैसे पहलुओं को अहम माना जा रहा है। सर्दियों में दिल्ली की हवा अक्सर खराब श्रेणी में पहुंच जाती है। कम हवा की गति, तापमान में गिरावट, धूल, निर्माण कार्य, वाहनों का धुआं और आसपास के क्षेत्रों में पराली जलाने जैसी वजहें प्रदूषण बढ़ा सकती हैं। ऐसे में सरकार के सामने समय रहते प्रभावी कदम उठाने की चुनौती है।

कैलिफोर्निया से मिली थी 34 हजार की सुपारी, ट्रेन में बदला हुलिया



टाइगर श्रॉफ पर हमले के मामले में बड़ा खुलासा

पहचान छिपाने के लिए शूटरों ने काटे बाल और बदले कपड़े

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर हुए हमले के मामले में जांच के दौरान कई अहम जानकारियां सामने आई हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, हमले को अंजाम देने के लिए तीन आरोपियों को कैलिफोर्निया से 34 हजार रुपये की सुपारी दी गई थी। आरोप है कि विदेश में बैठे अनिल पंडित ने उन्हें पैसे देने के साथ विदेश में नौकरी दिलाने का लालच भी दिया था। रिपोर्ट के अनुसार, रेहान उर्फ सुक्का, फूल

सिंह और रोशन उर्फ त्र्यतिक को राजस्थान के कोटा में हिरासत में लिया गया। पुलिस के मुताबिक, वारदात के बाद आरोपियों ने अपनी पहचान छिपाने के लिए ट्रेन में ही बाल काटे और कपड़े बदल लिए। इसके बाद वे अलग-अलग रास्तों से निकलने की कोशिश में जुट गए। आरोपियों ने कथित तौर पर सूरत पहुंचकर पुणे-जयपुर ट्रेन पकड़ी थी। पुलिस को उनके पास से हथियार नहीं मिले, जिससे आशंका जताई गई कि उन्होंने हथियार कहीं फेंक दिए। पुलिस के अनुसार, वारदात के बाद आरोपियों की योजना जयपुर से दिल्ली पहुंचकर नेपाल भागने की थी। फिलहाल मामले में साजिश, पैसों के लेनदेन और अन्य संभावित संपर्कों की जांच की जा रही है। हालांकि, सामने आए आरोपों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

‘मुझे मार दो या गिरफ्तार कर लो’ दिसंबर में लौटेंगी शेख हसीना

बांग्लादेश वापसी पर पूर्व प्रधानमंत्री का बड़ा ऐलान

कहा-खतरे मुझे रोक नहीं सकते

यूनिक समय, नई दिल्ली। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने दिसंबर में अपने देश लौटने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें गिरफ्तार किया जाए, प्रताड़ित किया जाए या उनकी जान को खतरा हो, फिर भी वह बांग्लादेश वापस जाएंगी। अगस्त 2024 में सत्ता से बेदखल होने के बाद से भारत में रह रही हसीना ने वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अपनी वापसी को राजनीतिक जिम्मेदारी बताया। हालांकि, उनकी वापसी की निश्चित तारीख अभी तय नहीं हुई है। उनके बेटे सजीब वाजेद जॉय ने भी कहा कि समय आने पर इसकी जानकारी दी जाएगी। हसीना ने भारत सरकार और यहां के लोगों का आभार जताया, जिन्होंने राजनीतिक संकट के दौरान उन्हें शरण दी। उन्होंने कहा कि अपने समर्थकों के साथ



खड़ा होना उनकी जिम्मेदारी है और वह जोखिम से पीछे नहीं हटेंगी। पूर्व प्रधानमंत्री ने बांग्लादेश की मौजूदा राजनीतिक व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि उनके और अवामी लीग के नेताओं के खिलाफ आपराधिक मामलों का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों को दबाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने निष्पक्ष सुनवाई, स्वतंत्र न्यायपालिका, अभिव्यक्ति की आजादी और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की मांग की। हसीना ने 2024 के विरोध प्रदर्शनों से जुड़ी घटनाओं पर पारदर्शी कानूनी प्रक्रिया का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश का भविष्य बदले की भावना के बजाय मेल-मिलाप, लोकतांत्रिक भागीदारी और नागरिकों के अधिकारों के सम्मान पर आधारित होना चाहिए।

अल्बानिया में हिंसक प्रदर्शन, पुलिस पर पथराव, इटली में लूटपाट

महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के खिलाफ सड़कों पर उतरे लोग

तिराना में 167 गिरफ्तार और 132 पुलिसकर्मी घायल

यूनिक समय, नई दिल्ली। यूरोप के दो देशों अल्बानिया और इटली में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन हिंसक हो गए हैं। अल्बानिया की राजधानी तिराना में लगातार छठे दिन प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पें हुईं। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थर और पेट्रोल बम फेंके, जबकि हालात नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस, वाटर कैनन और लाठीचार्ज का इस्तेमाल किया।



कई जगह सरकारी इमारतों और बैंकों को निशाना बनाया गया। दुकानों के शीशे तोड़े गए और संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया। अल्बानिया में महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा व्यवस्था की बदहाली और भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर लोग प्रधानमंत्री एडी रामा के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। आंदोलन में हाई स्कूल और विश्वविद्यालय के छात्र भी शामिल हो

गए हैं। प्रधानमंत्री ने हिंसा के पीछे बाहरी ताकतों का हाथ होने का आरोप लगाया है। उन्होंने प्रदर्शनकारियों से बातचीत करने की पेशकश की, लेकिन इस्तीफे की मांग खारिज कर दी। पुलिस के मुताबिक, हिंसा के दौरान 167 लोगों को गिरफ्तार किया गया और 132 पुलिसकर्मी घायल हुए। आंदोलन के पीछे सरकारी भ्रष्टाचार और पर्यावरण

भागवत बोले-भारत में भी बांग्लादेश जैसे हालात बनाने की कोशिश

विजयादशमी पर आरएसएस प्रमुख ने विदेशी ताकतों पर लगाए देश को बांटने के प्रयासों के आरोप

एकता और पर्यावरण संरक्षण पर भी दिया जोर

यूनिक समय, नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने मंगलवार को नागपुर स्थित संघ मुख्यालय में विजयादशमी उत्सव को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत में भी बांग्लादेश और फ्रांस जैसे हालात बनाने की कोशिश हो रही है। दुनिया में ऐसी शक्तियां हैं, जो भारत को दबाना चाहती हैं और सत्ता परिवर्तन के जरिए अपने समर्थकों को बैठाना चाहती हैं। भागवत ने कहा कि कुछ



लोग भारत और हिंदू समाज को बांटने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने समाज में एकता बनाए रखने और आंदोलनों को समाधान का माध्यम बनाने पर जोर दिया। उनके मुताबिक, आंदोलन का इस्तेमाल राजनीतिक उद्देश्यों और समाज में द्वेष फैलाने के लिए नहीं होना चाहिए। भागवत ने कहा कि सभी के पूर्वज एक हैं और विविधताओं का सम्मान करते हुए सबको साथ लेकर चलना जरूरी है। उन्होंने विकास के साथ पर्यावरण और नैतिकता का ध्यान रखने की बात कही। साथ ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर नियम बनाने और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के सही इस्तेमाल पर भी जोर दिया।

कोलंबिया में खदान धंसने से 14 की मौत, सात घायल

नारिनो प्रांत में बड़ा हादसा

बिना परमिट चल रही थी सोने की खदान, बचाव अभियान समाप्त



यूनिक समय, नई दिल्ली। कोलंबिया में सोने की खदान धंसने से बड़ा हादसा हो गया। देश के नारिनो प्रांत के दूरदराज इलाके में हुई इस दुर्घटना में कम से कम 14 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि सात लोग घायल बताए जा रहे हैं। यह हादसा सांता बारबरा डी इस्कुआंडे कस्बे के पास हुआ। स्थानीय प्रशासन के मुताबिक, खदान बिना सरकारी परमिट के संचालित की जा रही थी। सोमवार रात तक बचाव और तलाशी अभियान पूरा कर लिया गया। नारिनो प्रशासन ने इस घटना पर दुख जताते हुए कहा कि अवैध और अनौपचारिक खनन के कारण लोगों की जान जोखिम में पड़ रही है। प्रांत में पिछले तीन महीने से भी कम समय के भीतर खदान धंसने की दो घटनाओं में कुल 27 लोगों की मौत हो चुकी

है। राज्य के गवर्नर लुइस अल्फोंसो एस्कोबार ने कहा कि इस हादसे में पूरे-पूरे परिवार उजड़ गए हैं। सांता बारबरा डी इस्कुआंडे घने वर्षा वनों से घिरा हुआ है। यहां सड़क मार्ग से पहुंचना संभव नहीं है और नाव या छोटे विमान के जरिए ही पहुंचा जा सकता है। इससे राहत और बचाव कार्यों में मुश्किलें आती हैं। इलाके में विद्रोही समूहों की सक्रियता भी सुरक्षा संबंधी चुनौतियां बढ़ाती है। कोलंबिया में बड़ी संख्या में छोटी खदानें बिना सरकारी अनुमति के चलती हैं। अधिकारियों ने इस घटना के बाद अवैध खनन से जुड़े खतरों पर चिंता जताई है। वहीं, मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए सशस्त्र समूहों से सहयोग की अपील की गई है।

आंसू डर की वजह से नहीं, सीजेपी नेताओं को याद कर भावुक हुए दीपके

सौरव दास और आशुतोष रंका तिहाड़ जेल में बंद

अभिजीत दीपके ने प्रदर्शनकारियों से घर लौटने की अपील की

यूनिक समय, नई दिल्ली। कॉंग्रेस जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके अपने साथी नेताओं सौरव दास और आशुतोष रंका को याद करते हुए भावुक हो गए। दोनों नेता फिलहाल दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं। इंट्रोग्राम पर लाइव आकर दीपके ने कहा कि उनकी आंखों में आंसू डर की वजह से नहीं, बल्कि अपने साथियों के जेल में होने के कारण हैं। उन्होंने दोनों को अपना भाई बताते हुए कहा कि वह उन्हें बहुत याद कर रहे हैं। दीपके ने बताया कि तीनों का एक व्हाट्सएप ग्रुप

है, जहां वे एक-दूसरे को मीम्स भेजा करते थे। उन्होंने प्रदर्शनकारियों से अपने परिवारों के पास लौटने और उनका ख्याल रखने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि भावुकता कमजोरी नहीं, बल्कि उनकी ताकत है। दीपके ने महात्मा गांधी के विचारों का जिक्र करते हुए प्रेम, करुणा और अहिंसा के रास्ते पर चलने की बात कही। उन्होंने भरोसा जताया कि सौरव दास और आशुतोष रंका जेल से बाहर आने के बाद भी मुस्कान के साथ अपने रास्ते पर आगे बढ़ेंगे। इस बीच, दिल्ली पुलिस ने दोनों नेताओं की न्यायिक हिरासत दो दिन बढ़ा दी है। उनके खिलाफ दर्ज मामलों में सरकारी कामकाज में बाधा डालने, चोट पहुंचाने और आपराधिक साजिश सहित विभिन्न आरोप शामिल हैं। पुलिस ने अनधिकृत प्रवेश से जुड़े मामले को अपराध शाखा को भी सौंप दिया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

जयकारों और बैड-बाजों के बीच मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन



नवमी पर कन्या पूजन करती श्रद्धालु महिला।



मंगलवार दोपहर गाजे- बाजे और नृत्य के साथ माता रानी की प्रतिमा को विसर्जन को ले जाते श्रद्धालु।

यूनिक समय, मथुरा। मंगलवार को कान्हा की नगरी मां दुर्गा की भक्ति में सराबोर रही। मंदिरों और घरों में पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं ने कन्या-लांगुराओं को भोजन कराकर मां का आशीर्वाद लिया। वहीं, पूजा पंडालों में एक सप्ताह से विराजमान मां दुर्गा की प्रतिमाओं को बैड-बाजों और जयकारों के बीच विदाई दी गई।

नवमी पर सुबह से ही घरों और मंदिरों में पूजा-अर्चना का सिलसिला शुरू हो गया। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से मां दुर्गा की पूजा कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

पूजा पंडालों में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए श्रद्धालु बैड-बाजों के साथ निकले। माता रानी के जयकारों और भक्ति गीतों के बीच भक्त नाचते-गाते नजर आए। कई



कन्या-लांगुराओं को उपहार देते श्रद्धालु।

स्थानों पर पुष्पवर्षा कर मां को विदाई दी गई। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक भक्तिमय माहौल बना रहा।

श्रीदेवी असहाय सेवा संस्थान के तत्वावधान में सरस्वती कुंड के निकट मां दुर्गा मंदिर में शारदीय नवरात्र पर शतचंडी पाठ का आयोजन किया गया। नवमी पर स्वामी महेशानंद सरस्वती के

सान्निध्य में शतचंडी महायज्ञ के हवन में श्रद्धालुओं ने पूर्णाहुति दी। इसके बाद पुजारी ने मां की महाआरती की। महाआरती के बाद कन्या-लांगुराओं का पूजन किया गया। लगभग 400 बच्चों को प्रसाद ग्रहण कराकर उपहार भेंट किए गए। महिलाओं ने भजन-कीर्तन प्रस्तुत

नवमी पर कन्या-लांगुराओं को कराया भोजन, मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु

शतचंडी महायज्ञ में पूर्णाहुति, 400 बच्चों को कराया प्रसाद ग्रहण

किए। इस अवसर पर संस्थान के सचिव- कछवाह कुशवाह महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुरेश चंद्र कुशवाह, संस्थान की अध्यक्ष-महासभा की राष्ट्रीय महिला उपाध्यक्ष उमा कुशवाह, महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता-संरक्षक स्वामी चंदन सिंह प्रेमी आगरा, मदनगोपाल, इंजीनियर अजीत सिंह, डॉ. अविनाश सिंह, भगवान सिंह, सत्यप्रकाश लवानिया, गिरीश बाबू, अंकित सिंह, दिव्या सिंह और कन्हैया सहित अन्य श्रद्धालु मौजूद रहे।

शेरगढ़ से युवक लापता, पुलिस ने जारी किया नोटिस

यूनिक समय, शेरगढ़। थाना क्षेत्र के गांवजंघावलीस्थितहाजी का नगला निवासी 20 वर्षीय नफीस पुत्र पप्पू के लापता होने पर पुलिस ने गुमशुदगी का नोटिस जारी कर आमजन से मदद की अपील की है। नफीस 16 अक्टूबर को घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। परिजनों ने काफी तलाश की, मगर कोई जानकारी नहीं मिलने पर थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि युवक के संबंध में कोई जानकारी मिलने पर थाना पुलिस कंट्रोल रूम या उसके परिजनों को सूचित करें।

अश्वारोहण कर ठाकुर द्वारकाधीश ने किया रावण वध

यूनिक समय, मथुरा। विजयादशमी पर मंदिर ठाकुर द्वारकाधीश में परंपरागत धार्मिक आयोजन श्रद्धा और उल्लास के साथ हुआ। ठाकुर द्वारकाधीश ने श्रीराम का स्वरूप धारण कर अश्वारोहण किया और रावण वध की लीला के माध्यम से बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया।

मंदिर के विधि-मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि परंपरा के अनुसार मंगलवार प्रातःकाल ठाकुर द्वारकाधीश ने शस्त्र धारण कर श्रीराम का स्वरूप धारण किया। इसके बाद अश्व पर सवार होकर रावण वध की लीला की गई। आयोजन के दौरान मंदिर परिसर में धार्मिक परंपराओं का



अस्त्र धारण करके श्रद्धालुओं को दर्शन देते ठाकुर द्वारकाधीश।

निर्वहन किया गया।

श्रीराम स्वरूप में दिए बुराई पर अच्छाई की जीत के संदेश

इस अवसर पर मंदिर के मुखिया सुधीर कुमार और प्रबंधक अशोक कुमार शर्मा ने विधि-विधान से अश्व पूजन किया।

पूजन की प्रक्रिया अजय भट्ट ने कराई। कार्यक्रम में सहायक अधिकारी एसएन शर्मा और राकेश तिवारी एडवोकेट उपस्थित रहे। विजयादशमी के इस आयोजन ने श्रद्धालुओं को धर्म, सत्य और सदाचार के मार्ग पर चलने का संदेश दिया।

स्टूडेंट एडवाइजर पब्लिकेशन्स में हुआ नवचंडी होम



नौ दिवसीय नवचंडी होम-दुर्गा पूजा कार्यक्रम में मौजूद पब्लिकेशन्स के अधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। शारदीय नवरात्र पर स्टूडेंट एडवाइजर पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के परिसर में नौ दिवसीय नवचंडी होम और दुर्गा पूजा का आयोजन किया जा रहा है। वैदिक

मंत्रोच्चारण, दुर्गा सप्तशती के पाठ और हवन के माध्यम से मां भगवती की आराधना कर सुख-समृद्धि, शांति और विश्व कल्याण की कामना की जा रही है। अनुष्ठान संपन्न कराने के लिए

काशी से मुख्य आचार्य पंडित श्यामानन्द शास्त्री और सहायक आचार्य पंडित आशुतोष शास्त्री पहुंचे हैं। दोनों आचार्य आर्ट ऑफ लिविंग गुरुकुल में वैदिक और धार्मिक शिक्षा

मां कात्यायनी मंदिर में धूमधाम से मना विजयादशमी पर्व



मां कात्यायनी मंदिर में शमी वृक्ष का पूजन करते आचार्य।

यूनिक समय, वृंदावन। धर्मनगरी के शक्तिपीठ मां कात्यायनी मंदिर में विजयादशमी का पर्व श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर धार्मिक अनुष्ठानों के बीच शमी वृक्ष का महाभिषेक और शास्त्रों का विधि-विधान से पूजन किया गया। मंदिर के मुख्य पुजारी कमल तिवारी और ट्रस्टी सिद्धार्थ सहाय ने शमी वृक्ष का महाभिषेक कर वैदिक परंपरा के अनुसार पूजन-अर्चना किया। सनातन धर्म में विजयादशमी पर शमी पूजन का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, शमी वृक्ष की पूजा सुख-समृद्धि, मंगल और विजय का

शमी वृक्ष का महाभिषेक मंदिर परिसर में शास्त्रों का पूजन

प्रतीक मानी जाती है। मंदिर परिसर में शास्त्रों का भी पूजन किया गया। विजयादशमी अधर्म पर धर्म और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है। यह पर्व साहस, मर्यादा और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। मंदिर प्रबंधक विजय मिश्र ने आयोजन की व्यवस्थाएं संभाली। पूरे कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा।

127 वर्ष पुराने महामाया देवी मंदिर में विधि-विधान से हुए नवरात्रि के अनुष्ठान



महामाया देवी मंदिर में पूजा करते श्रद्धालु।

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन दरवाजा स्थित 127 वर्ष पुराने ठा. महामाया देवी मंदिर में शारदीय नवरात्रि का पर्व श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। नवरात्रि के प्रथम दिन कलश स्थापना के साथ पूजा-अर्चना का शुभारंभ हुआ। अष्टमी पर मंदिर में भव्य जागरण आयोजित किया गया, जिसमें भक्तों ने मां महामाया के अद्भुत दर्शन किए और सुंदर भजनों पर झूमकर भक्ति का आनंद लिया। समिति के सदस्य राजीव मित्तल सोनू ने बताया कि दशहरे के दिन मंदिर प्रांगण में मंत्रोच्चार के साथ हवन किया गया। इसके बाद कन्या-लांगुराओं को प्रसाद ग्रहण

अष्टमी पर हुआ भव्य जागरण, दशहरे पर हवन के बाद कन्या-लांगुराओं को कराया प्रसाद ग्रहण

कराया गया।

कार्यक्रम में मोहिनी शर्मा, घनश्याम गौतम, रामबाबू, अशोक कुमार, योगेश, ओमप्रकाश कौशिक, पंकज शर्मा, विशाल ठाकुर, बृजमोहन सैनी, हीरालाल, प्रदीप चतुर्वेदी, कुल्लू चौबे, मनीष, मधु, अनीता, पप्पू सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

पागल बाबा मंदिर में 251 कन्याओं ने ग्रहण किया प्रसाद

यूनिक समय, वृंदावन। श्री बाल विकास समिति के तत्वावधान में पुराने पागल बाबा मंदिर परिसर में शारदीय नवरात्र के अंतर्गत दुर्गा पूजा धूमधाम से मनाई जा रही है। मंगलवार को महानवमी पर पुजारी नंदकिशोर ने विधि-विधान से मां दुर्गा की पूजा-अर्चना कराई। इसके बाद कन्या-लांगुरा पूजन और प्रसाद वितरण किया गया। आयोजन में 251 कन्याओं ने प्रसाद ग्रहण किया, उन्हें उपहार और दक्षिणा भी दी गई।

दुर्गा पूजा स्थल को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। कोलकाता के कारीगरों ने भव्य दुर्गा पंडाल तैयार किया है, जबकि रंग-बिरंगी रोशनी परिसर की शोभा बढ़ा रही है। शाम पांच बजे मां दुर्गा को छप्पन भोग अर्पित कर प्रसादी वितरित करने का कार्यक्रम निर्धारित



किया गया। समिति अध्यक्ष मिथुन शर्मा उर्फ पिंटू भैया के नेतृत्व में आयोजन को भव्य रूप दिया जा रहा है। इस दौरान मथुरा से पहुंचे ब्राह्मण नेता शैलेंद्र शर्मा का स्वागत किया।

कार्यक्रम में विष्णु प्रसाद शर्मा, श्यामल दादा, दिलीप लहरी, नारायण पाल, काली मंडल, श्याम मंडल, संजय दत्त, अमित दत्ता, सुरेश सक्सेना, हिमांशु लहरी, नीलकंठ दास, रघुनाथ दास और सुशील काठे उपाध्याय सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।